NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 70 लखनऊ, रविवार 01 नवंबर 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

एकता दिवस परेड का हुआ आगाज, पीएम मोदी दिलाएंगे राष्ट्रीय एकता की शपथ



एजेंसी।

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान वह एकता नगर में 400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं और बनास डेयरी की प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री सुरक्षा बलों की भव्य राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटीश पर सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 151वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी, जिसे राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री एकता नगर में 400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और एकता दिवस की भव्य परेड में शामिल होंगे। इस साल की परेड में महिला सुरक्षाकर्मी, कोबरा कमांडो, पुलिस टुकड़ियां, बाइक रैलियां और हजारों कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी, जिसका मुख्य केंद्र श्नक्सल–मुक्त भारतश होगा। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने बनासकांठा जिले के भीलड़ी में मोदी के कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और 30 अक्टूबर के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की। इस निरीक्षण के दौरान विधानसभा अध्यक्ष और बनास डेयरी के चेयरमैन शंकर चौधरी और अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मोदी भीलड़ी में बनास डेयरी (बनासकांठा जिला सहकारी दुग्ध ा उत्पादक संघ लिमिटेड) की पांच प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और आध ाारशिला रखेंगे। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जाना है, उनमें से एक भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर है। यह 127 एकड़ में फैला है और इसे 325 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। यह केंद्र राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के तकनीकी मार्गदर्शन और केंद्र की राष्ट्रीय गोकुल मिशन के समर्थन से स्थापित किया गया है। मोदी पालनपुर में बनास डेयरी के यूएचटी संयंत्र गोदाम में एक स्वचालित भंडारण और निकासी प्रणाली का भी उद्घाटन करेंगे। करीब 31.14 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित यह प्रणाली डेयरी उत्पादों के संग्रह और निकासी के लिए रोबोटिक शटल और विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग करेगी। एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में गुजरात पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी और एसएसबी) की 19 टुकड़ियां शामिल होंगी। इसके अलावा असम राइफल्स, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल भी शामिल होंगे। नक्सल विरोधी अभियानों में योगदान देने वाला एक विशेष रूप से प्रशिक्षित डॉग स्क्वॉड परेड के मुख्य आकर्षणों में से एक होगा। समारोह में नशे के खिलाफ लड़ाई विषय पर एक मोटरसाइकिल रैली, साथ ही पुलिस बैंड, झांकियां, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और एनसीसी कैडेटों द्वारा पद–संचलन भी शामिल होंगे।

संवाददाता।

उत्तर प्रदेश में सड़क परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार, छह माह में पूरा होगा भूमि अधिग्रहण



लखनऊ। लोक निर्माण विभाग की 100 से 200 करोड़ रुपये तक लागत वाली सड़क निर्माण और चौड़ीकरण की परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण, जनोपयोगी सेवाओं को अन्यत्र स्थानांतरित करने, वन विभाग की अनापत्ति और काम शुरू करने से पहले की अन्य वैध ाानिक प्रक्रियाएं छह माह में पूरी करनी होंगी।यह अवधि परियोजना पूरी करने के लिए तय समय में जोड़ दी गई है, जिसके बाद इस लागत की परियोजनाओं के लिए निर्धारित समय को 18 माह से बढ़ाते हुए 24 माह किया गया है।समय से पूरी होंगी परियोजनाएं विभाग द्वारा किए गए इस बदलाव से सड़क परियोजनाओं को समय से पूरा करने में मदद मिलेगी। अब तक 100 से 300 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं के लिए 18 माह का समय तय था। भूमि अधिग्रहण, जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े कार्य, वन विभाग की अनापत्ति और अन्य वैधानिक प्रक्रियाओं के लिए अलग से समय निर्धारित नहीं था। इसके कारण इन कार्यों के पूरा होने में लंबा समय लगता था और परियोजनाओं का काम शुरू होने में देरी होती थी।क्षेत्रीय मुख्य अभियंता का अनुमोदन अनिवार्य पीडब्ल्यूडी के विभागाध्यक्ष एके द्विवेदी द्वारा जारी संशोधित आदेश के अनुसार, अब 100 से 200 करोड़ रुपये की लागत वाली परियोजनाओं के लिए 24 माह और 200 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं के लिए 30 माह का समय निर्धारित किया गया है। इस निर्धारित समयावधि में किसी भी तरह के परिवर्तन के लिए क्षेत्रीय मुख्य अभियंता का अनुमोदन अनिवार्य होगा। वहीं, एक करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को दो से छह माह, एक करोड़ रुपये से अधिक और 10 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को छह से 10 माह, 10 करोड़ रुपये से अधिक और 20 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को 10 से 12 माह तथा 20 करोड़ रुपये से अधिक और 50 करोड़ करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को 12 से 14 माह में पूरा करना होगा। 50 करोड़ रुपये से अधिक और 100 करोड़ रुपये तक की परियोजनाओं को 15 माह में पूरा करना होगा। इन परियोजनाओं के समय में कोई बदलाव नहीं है। समयसीमा में बदलाव केवल विशेष परिस्थितियों में किया जाएगा।

संवाददाता।

यूपी चुनाव सीएम योगी के बयान पर अखिलेश का पलटवार, कहा- दरारवादी एकता की बात ना करें





लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के जातिवाद वाले बयान पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कहा था कि समाज को जाति, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटने का प्रयास करने वाले विभाजनकारी तत्व देश की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर आक्रांताओं को आमंत्रित करते हैं।इसके बाद सपा प्रमुख ने बिना नाम लिए कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि जिनकी सत्ता 'सजातीय तुष्टीकरण' के नाम पर बदनाम हो चुकी है वह 'जातिवाद' की बात कर रहे है! दरारवादी एकता की बात न ही करें तो उनका न सही, उनके पद का नाम बचा रहेगा। सपा प्रमुख ने आगे कहा कि जो होता भाजपाई, वो पैदा करता खाई। जिनकी संपूर्ण राजनीति एक जाति के विरोध पर टिकी हो, वो जब भी मुंह खोलेंगे, झूठ बोलेंगे। 'हाता नहीं भाता' ही इनकी विद्वेषपूर्ण राजनीति का बेहद कड़वा सच है। अखिलेश यादव ने कहा कि जो सार्वजनिक पद पर रहते हुए भी अपनी जाति के दंभ का दम भरते हैं, वो क्या किसी और का भला करेंगे? जो एकरंगी हैं, वो बहुरंगी एकता की बात कैसे कर सकते हैं? काला चश्मा लगाएं और लौट जाएं! राष्ट्रीय एकता को खतरा तब होता है, जब सामाजिक विभेद को मानने वाला व्यक्ति सत्ता के शीर्ष पर होता है। वहीं पार्टी मुख्यालय पर सरदार सरदार वल्लभ भाई पटेल और समाजवादी चिंतक आचार्य नरेन्द्र देव की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में सपा प्रमुख ने कहा कि पार्टी दोनों महापुरुषों के बताए रास्ते और विचारधारा पर चल रही है। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, राष्ट्रीय महासचिव व विधायक राम अचल राजभर, विध ाायक रविदास मेहरोत्रा, अरविन्द कुमार सिंह आदि मौजूद थे।

देश में पहली वोट चोरी नेहरू के समय हुई थी, माक पार्लियामेंट के बाद बीजेपी ने कांग्रेस पर साधा निशाना

एजेंसी।

दिल्ली। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि देश में पहली वोट चोरी पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सरदार पटेल के खिलाफ की थी। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विपक्ष के सांकेतिक महाभियोग को संस्थाओं का अपमान बताया। साथ ही, उन्होंने मतदाता सूची पुनरीक्षण को पारदर्शी बताते हुए धांधली के आरोप खारिज किए। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के सांसद संबित पात्रा ने विपक्षी 'इंडिया' (INDIA) गठबंधन द्वारा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ किए गए सांकेतिक सार्वजनिक महाभियोग पर तीखा पलटवार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वतंत्र भारत में ष्वोट चोरीष की पहली घटना पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी, ताकि सरदार वल्लभभाई पटेल को प्रधानमंत्री का पद न मिल सके। चुनावी गड़बड़ी के आरोपों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर निशाना साधते हुए, पात्रा ने भारत के पहले गृह मंत्री की जयंती के अवसर पर कहा कि यह ऐतिहासिक वोट चोरी एक निर्विवाद तथ्य है, जिसे गांधी परिवार के पहले सदस्य ने अंजाम दिया था। राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पात्रा ने कहा आज, वोट चोरी के आरोपों के संदर्भ में जिस मुद्दे पर खड़गे जी बात कर रहे थे। मैं उनसे कहना चाहता हूँ – हाँ, वोट चोरी का दावा सच है। वास्तव में वोट चोरी हुई थी। आज 31 अक्टूबर है, जो आदरणीय सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती है। और अगर भारत में कभी कोई वोट चोरी हुई है, तो वह गांधी परिवार के पहले सदस्य पंडित जवाहरलाल नेहरू ने की थी, जिन्होंने कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के वोट चुरा लिए थे। भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू की नियुक्ति पर सीधा निशाना साधते हुए पात्रा ने कहा उन नेताओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल को प्रधानमंत्री चुनने के लिए एक मतपेटी में अपना वोट डाला था। उन वोटों को चुराकर पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के प्रधानमंत्री बन गए। एक ऐसे प्रधानमंत्री जिन्हें चुना ही नहीं गया था।' CEC के खिलाफ 'इंडिया' (INDIA) गठबंधन के श्नकली महाभियोगश प्रदर्शन की आलोचना करते हुए, पात्रा ने दावा किया कि यह पुरानी पार्टी अपने ड्रामे के जरिए लोकतांत्रिक संस्थाओं का अपमान कर रही है। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जो ड्रामा कर रही है, यह श्नकली संसदश, असल में संसद का ही मजाक उड़ा रही है। वहां मौजूद सभी वक्ताओं और प्रतिभागियों को यह सुन लेना चाहिए। वोट चुराने का सबसे



पहला काम खुद नेहरू ने किया था। मतदाता सूची से नाम न जोड़े जाने और नाम हटा दिए जाने के विपक्ष के दावों पर, पात्रा ने चुनाव आयोग के 'विशेष सारांश पुनरीक्षण' (SIR) अभियान की निष्पक्षता का बचाव किया और जमीन पर लागू होने वाले तकनीकी श्वैक्श्श मानदंड के बारे में विस्तार से बताया। पात्रा ने समझाया अभी SIR प्रक्रिया चल रही है। कई राज्यों में 13 करोड़ लोगों के नाम अभी तक अंतिम मतदाता सूची में नहीं जुड़े हैं। ऐसा क्यों है? यह ोक्व फॉर्मूला क्या है? इसमें का मतलब है अनुपस्थित। सत्यापन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, एक अधिकारी होता है जिसे BLO (बूथ लेवल ऑफिसर) कहा जाता है। BLO एक 'एन्यूमरेशन फॉर्म' के लिए जिम्मेदार होता है, जिसे हर व्यक्ति को भरना होता है। BLO इस फॉर्म के साथ आपके घर तीन बार आता है। अगर आप इन तीनों मौकों में से किसी पर भी मौजूद नहीं होते हैं, तो आपको 'अनुपस्थित' (absent) मान लिया जाता है और आपका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाता है। और 'ASDD' में 'S' का क्या मतलब है? इसका मतलब है 'शिफ्टेड' (Shifted) – यानी स्थायी रूप से कहीं और चले जाना।' पात्रा ने म्टड और मतदाता सूची में हेरफेर के विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया।

सफदरजंग अस्पताल में निदेशक की नियुक्ति को CAT ने बताया अवैध और मनमाना

वरिष्ठ डॉक्टरों की याचिका पर फैसला, चयन प्रक्रिया पर उठाए सवाल, वरिष्ठतम पात्र अधिकारी को अंतरिम प्रभार देने का निर्देश

विजडम इंडिया

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT), नई दिल्ली ने सफदरजंग अस्पताल के स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर (SIC) में डॉ. दीपक जोशी की निदेशक पद पर नियुक्ति को अवैध और मनमाना माना है। 27 अक्टूबर 2026 को दिए गए फैसले में अधि ाकरण ने नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता की कमी पर सवाल उठाए।

इस नियुक्ति को डॉ. स्कंद सिन्हा और डॉ. देवेंद्र सिंह ने चुनौती दी थी। उनका कहना था कि वे डॉ. दीपक जोशी से वरिष्ठ हैं, लेकिन उन्हें पद के लिए उचित अवसर नहीं दिया गया। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पद के लिए सार्वजनिक विज्ञापन क्यों नहीं निकाला गया और सभी योग्य अधिकारियों से आवेदन क्यों नहीं मांगे गए।

वरिष्ठता सूची में डॉ. स्कंद सिन्हा और डॉ. देवेंद्र सिंह का नाम डॉ. दीपक जोशी से ऊपर था, जबकि डॉ. जोशी उनसे नीचे के क्रम पर थे। सरकार ने अधि ाकरण को बताया कि 30 अगस्त 2023 को गठित चयन समिति ने योग्य अधिकारियों पर विचार करने के बाद डॉ. जोशी को इस पद के लिए उपयुक्त माना था। डॉ. जोशी की ओर से उनके लंबे अनुभव और स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर से जुडाव को नियुक्ति का आधार बताया गया।

हालांकि, CAT ने पाया कि चयन समिति के रिकॉर्ड में यह स्पष्ट नहीं था कि कितने अधि ाकारियों पर विचार किया गया, चयन के लिए कौन–से मानदंड अपनाए गए और उम्मीदवारों की योग्यता की तुलना किस आधार पर की गई। अधिकरण ने कहा कि किसी अधिकारी का अनुभव महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन सभी योग्य अधिकारियों को निष्पक्ष विचार का अवसर मिलना चाहिए।

CAT ने नियुक्ति को अवैध और मनमाना माना। हालांकि, डॉ. जोशी का तीन वर्ष का कार्यकाल 31 अक्टूबर 2026 को समाप्त होने वाला था और अगली नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी मिलने के कारण अधिकरण ने तत्काल नियुक्ति रद्द नहीं की।



फैसले में यह भी निर्देश दिया गया कि डॉ. जोशी की इस विवादित नियुक्ति के दौरान निदेशक के रूप में अर्जित अनुभव को भविष्य में इसी पद या किसी उच्च पद की पात्रता के लिए आवश्यक अनुभव अथवा आयु में छूट के आधार के रूप में नहीं गिना जाएगा। अगली नियमित नियुक्ति लागू नियमों के अनुसार होनी चाहिए और सभी पात्र अधिकारियों पर वरिष्ठता को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष विचार किया जाना चाहिए। तब तक वरिष्ठतम पात्र अधि ाकारी को निदेशक का अंतरिम प्रभार देने का निर्देश दिया गया।

तथाकथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी चर्चा में

नियुक्ति विवाद के अलावा डॉ. दीपक जोशी से जुड़े कुछ तथाकथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोप भी सामने आए हैं। आरोपों के अनुसार, अगस्त 2025 में एक सम्मेलन से जुडी धनराशि को कथित रूप से एक निजी कंपनी के माध्यम से हस्तांतरित किए जाने को लेकर सवाल उठाए गए थे। इस संबंध में मंत्रालय को शिकायत भेजे जाने की बात भी कही गई है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और दस्तावेजों का सत्यापन आवश्यक है। CAT के इस फैसले में इन वित्तीय आरोपों पर कोई निष्कर्ष नहीं दिया गया है।

यह फैसला उन वरिष्ठ डॉक्टरों की याचिका पर आया है, जिन्होंने निदेशक पद की नियुक्ति में पारदर्शिता, समान अवसर और निष्पक्ष चयन की मांग उठाई थी।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एमपी राज्यसभा उपचुनाव के लिए भरा पर्चा

एजेंसी।

दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में भोपाल स्थित विध ाानसभा भवन पहुंचकर अपना नामांकन पत्र सौंपा। यह सीट केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। नामांकन के विरोध ा की तैयारी कर रहे कांग्रेस के कई नेताओं को पुलिस ने पहले ही हिरासत में ले लिया।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मध्यप्रदेश से राज्यसभा उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार के रूप में शनिवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं, उनकी उम्मीदवारी के खिलाफ प्रदर्शन की तैयारी कर रहे कांग्रेस के कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुरी (74) मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ कड़ी सुरक्षा



के बीच पूर्वाह्न 11 बजे के आसपास विधानसभा भवन पहुंचे।नामांकन दाखिल करने से पहले केंद्रीय मंत्री ने एक गुरुद्वारे में मत्था टेका और संत सुदेश शांडिल्य महाराज का आशीर्वाद लेने के लिए करुणा धाम आश्रम पहुंचे। प्रदेश की मंत्री कृष्णा गौर भी उनके नामांकन पत्र की प्रस्तावकों में शामिल थीं। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने 28 अक्टूबर को पुरी को उम्मीदवार घोषित किया था।यह सीट केंद्रीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल मुरुगन के इस्तीफे के कारण रिक्त हुई है। मुरुगन का कार्यकाल अप्रैल 2030 में समाप्त होना था। मध्यप्रदेश विधानसभा की कुल 230 सीट में से कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा को अदालत के फैसले के बाद अयोग्य ठहराए जाने के कारण 12 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए सदन के मौजूदा सदस्यों की संख्या 229 रह गई है।मध्यप्रदेश में राज्यसभा की कुल 11 सीट हैं, जिनमें से सात पर भाजपा और तीन पर कांग्रेस का कब्जा है, जबकि एक सीट रिक्त है। पुरी की उम्मीदवारी के खिलाफ संभावित प्रदर्शन को देखते हुए भोपाल पुलिस ने नामांकन दाखिल होने से पहले कांग्रेस के कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अमित खत्री को ऐशबाग थाने ले जाया गया, जबकि प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक परमार और जिला अध्यक्ष अंकित दुबे को हबीबगंज थाने में हिरासत में रखा गया।

इन नेताओं को हिरासत में लिए जाने के विरोध में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रकोष्ठ के समन्वयक अभिनव बरोलिया ने कहा, भाजपा असहमति की आवाज दबा रही है। हम पुरी के खिलाफ अपना विरोध जारी रखेंगे।उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को भी भोपाल में केंद्रीय मंत्री के पुतले जलाए थे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 01 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

प्रदेश के सभी 75 जिलों में विकसित होंगे सरदार पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केंद्र, पांच जिलों से हुई शुरुआत

लखनऊ (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल एवं रोजगार क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। पहले चरण में गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, झांसी और गौतमबुद्धनगर में केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके बाद सभी 18 मंडल मुख्यालयों और फिर प्रदेश के प्रत्येक जिले में योजना का विस्तार किया जाएगा। इन केंद्रों पर युवाओं को पंजीकरण, उनकी रुचि और योग्यता के अनुसार कौशल प्रशिक्षण तथा रोजगार उपलब्ध कराने की सुविधा एक ही छत के नीचे मिलेगी। विदेशों में नौकरी करने के इच्छुक युवाओं को संबंधित देश की भाषा और आवश्यक कौशल का प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ा जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी 18 मंडल मुख्यालयों के लिए धनराशि की व्यवस्था पहले ही की जा चुकी है। जमीन उपलब्ध होते ही केंद्रों का निर्माण शुरू कराया जाएगा। गौतमबुद्धनगर में यमुना प्राधिकरण और गोरखपुर में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण इस पहल से जुड़ चुके हैं। टाटा जैसी संस्थाएं भी योजना में सहयोग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हाईस्कूल पास कोई युवा रोजगार चाहता है तो इन केंद्रों पर उसका पंजीकरण कर रुचि के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा और उसके बाद संस्थानों, कारखानों तथा अन्य क्षेत्रों में रोजगार दिलाने की व्यवस्था होगी। नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त युवा यदि जापान या जर्मनी जाना चाहता है तो उसे संबंधित देश की भाषा और वहां की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। संबंधित दूतावासों के सहयोग से विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास होगा। अधिक उम्र के लोग भी इन केंद्रों के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने के लिए पंजीकरण करा सकेंगे।योगी आदित्यनाथ ने बताया कि टाटा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स, अशोक लीलैंड, बीबीसी ग्रुप, पीटीसी, सीआईपैट, एशियन डेवलपमेंट बैंक, मिंडा और अवाडा सहित कई संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन किए गए हैं। इन संस्थाओं के अनुभव, तकनीक और विशेषज्ञता का लाभ युवाओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि उद्योगों की जरूरत के अनुसार प्रशिक्षण देने से रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। खाद्य प्रसंस्करण के महत्व पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दूध से छाछ, घी, मक्खन और पनीर जैसे उत्पाद तैयार करने तथा फल–सब्जियों की प्रोसेसिंग और पैकेजिंग से किसानों की आमदनी में बढ़ोतरी की जा सकती है।मुख्यमंत्री ने रोजगार कार्ड प्राप्त करने वाले युवाओं को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री युवा योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत पांच लाख रुपये तक की ब्याजमुक्त और गारंटीमुक्त सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना भी युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि युवा अपनी नियमित पढ़ाई के साथ कौशल प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान प्रतिदिन कुछ घंटे कौशल विकास के लिए निकालकर रोजगार की संभावनाएं बढ़ाई जा सकती हैं। सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि युवाओं को राष्ट्रीय एकता, कौशल और रोजगार से जोड़ा जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के पास दुनिया की सबसे युवा आबादी है और उत्तर प्रदेश में देश की सबसे बड़ी युवा आबादी है। इसे कुछ लोग बोझ मानते थे, जबकि उनकी सरकार ने इसे ताकत और उपलब्धि के रूप में देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कौशल विकास अभियान से युवाओं की संख्या और उनकी क्षमता को जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि संख्या के साथ कौशल जुड़ने पर रोजगार के अवसर पैदा होते हैं। कौशल के बिना संख्या गति को दुर्गति में बदल सकती है, जबकि कौशल के साथ वही गति प्रगति का आधार बनती है।पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य कहा जाता था, जबकि वास्तव में प्रदेश नहीं, बल्कि उस समय शासन करने वालों की मानसिकता बीमारू थी। पिछली सरकारों में माफिया का बोलबाला था और युवाओं की नौकरियों तथा रोजगार के अवसरों पर उनका कब्जा रहता था। इसके कारण युवा हताश होकर पलायन करने और अपनी पहचान छिपाने को मजबूर होते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकारें एक जिला–एक माफियाश की व्यवस्था चला रही थीं, जबकि उनकी सरकार ने माफिया के खिलाफ कार्रवाई कर प्रदेश के उत्पादों को नई पहचान दिलाई। मुख्यमंत्री के अनुसार पिछले साढ़े नौ वर्षों में नौ लाख 50 हजार से अधिक युवाओं को सीधे सरकारी नौकरी दी गई है। वहीं, एक जिला–एक उत्पाद योजना के माध्यम से 3.25 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। बेहतर कानून–व्यवस्था और सुरक्षा के वातावरण से औद्योगिक विकास को भी गति मिली है और लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बने हैं।कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जनधन खातों की योजना लेकर आए तो विपक्षी दलों ने इसका मजाक उड़ाया था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के उस बयान का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि सरकार की ओर से भेजे गए 100 रुपये में से केवल 15 रुपये ही गरीब तक पहुंचते हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बिचौलियों और भ्रष्टाचार के कारण गरीबों तक पूरा पैसा नहीं पहुंचता था। जनधन खातों और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था से अब सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि पहले टेलीफोन और रसोई गैस कनेक्शन हासिल करना भी मुश्किल था, जबकि आज डिजिटल इंडिया के माध्यम से देश डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय भारत को दुनिया की पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल को राष्ट्रीय एकता का शिल्पी बताते हुए कहा कि उन्होंने 563 से अधिक रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक योगदान दिया। वह स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, संविधान सभा के महत्वपूर्ण स्तंभ, देश के पहले गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री थे। गुजरात के केवड़िया में स्थापित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी उनके विराट व्यक्तित्व का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति, प्रांत, मत, संप्रदाय, रंग, रूप, बोली और भाषा अलग–अलग हो सकती हैं, लेकिन सभी का भाव एक होना चाहिए। एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना ही विकसित भारत का आधार है। उन्होंने प्रधानमंत्री को आतंकवाद, अलगाववाद, उग्रवाद और नक्सलवाद से मुक्त सुरक्षित भारत के निर्माण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का श्रेय दिया।कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर सहित विधायक, शासन और उद्योग जगत के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योगपति तथा बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

कूटनीतिक संवाद और युवा नेतृत्व का संगम बना ईमून सम्मेलन

प्रयागराज। रामानुजन पब्लिक स्कूल, झलवा, प्रयागराज में शुक्रवार को तीन दिवसीय ईमून सम्मेलन का भव्य शुभारंभ उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित इस सम्मेलन में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी प्रतिनिधि उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर रहे हैं।सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैश्विक दृष्टिकोण, तार्किक चिंतन, नेतृत्व क्षमता, प्रभावशाली वक्तृत्व कला तथा कूटनीतिक संवाद कौशल का विकास करना है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को समझने, विभिन्न देशों एवं संस्थाओं के दृष्टिकोण से परिचित होने तथा वैश्विक चुनौतियों पर सार्थक चर्चा करने का अवसर मिल रहा है।उद्घाटन समारोह में नृत्य, संगीत एवं विविध रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कर्नल माहिम शर्मा, कमांडेंट, ओल्ड फोर्ट, प्रयागराज ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में युवाओं की सक्रिय सहभागिता और समर्पण अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों के लिए केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें विश्व की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों की भी गहरी समझ विकसित करनी चाहिए।इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डॉ. मृत्युंजय राव ने अपने संदेश में कहा कि ईमून जैसे शैक्षणिक मंच विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। समारोह में पारुल विश्वविद्यालय केसौरभ पाण्डेय, आरजीईआई के वाइस चेयरमैन अपूर्व, सीईओ श्रीमती निधि सिन्हा, एसआरपीएस की प्रधानाचार्या सुश्री एबिगेल ई. ग्लैशन, आरपीएस की प्रधानाचार्या सुश्री इप्सिता चौधरी, रामानुजन पब्लिक स्कूल के हेडमास्टर उमंग मेहरोत्रा तथा ईमून के वरिष्ठ निदेशक कुशल भाटिया सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

सपा ने धूमधाम से मनाई सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

प्रयागराज। देश के पूर्व उप प्रधानमंत्री, लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती समाजवादी पार्टी ने धूमधाम से मनाया। जिले शहर पश्चिमी विधानसभा के सल्लाहपुर स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में जुटे सपा नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल जी के चित्र पर फूल माला अर्पित कर नमन करते हुए उनके संकल्पों को पूरा करने का व्रत लिया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विधायक डॉ आर के वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल ने किसानों के हितो को लेकर आजीवन संघर्ष किया, देश की एकता और अखंडता के लिए ऐतिहासिक कार्य किया, आर एस एस जैसी संस्था को देश की एकता और भाईचारा में बाधक बताकर उसे प्रतिबंधित किया था। आज किसानों के ऊपर जुल्म, ज्यादती करने वाले, आपसी सौहार्द को बिगाड़घ्ने वाले सरदार पटेल की जयंती मनाकर देश के भोले भले किसानों, मजदूरों सहित आम जनमानस को धोखा देने का काम कररहे है।

एमएलसी डॉ मानसिंह यादव ने कहा देश की तरक्की देश के अमन चौन और भाई चारा को बिगाड़घ कर हासिल नहीं की जा सकती है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने सरदार पटेल के राजनैतिक जीवन, देश की एकता अखंडता के प्रति किये गए ऐतिहासिक कार्य आदि की चर्चा करते हुए उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का संकल्प लिया।आभार प्रदर्शन वरिष्ठ नेता रमाकांत सिंह पटेल ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से डॉ आर के वर्मा, डॉ मान सिंह यादव, पूर्व विधायक राधेश्याम पटेल, जोंटी, रवि मिश्रा, नेपाल पटेल, प्रीतम सिंह, शम्भू नाथ, मानसिंह,



महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महासचिव रविंन्द्र यादव, यमुनापार महासचिव इंजी जगदीश यादव, संदीप यादव, रमाकांत सिंह पटेल, तारिक सईद अज्जू, मयंक यादव दीपक पटेल, दिव्यांशु, मुलुक सिंह, आस्था पटेल आदि सहित सैकड़ों की संख्या में नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता गण मौजूद रहे।

आधी रात युवक को मारी गोली, पेट में लगी, हालत गंभीर

मोहल्ले के 2 युवकों ने फायरिंग की इलाज में देरी पर हंगामा, एक गिरफ्तार

प्रयागराज। खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के सब्जी मंडी में शुक्रवार देर रात बाइक सवार हमलावरों ने एक युवक को गोली मार दी। गोली उसके पेट में बाईं ओर लगी। वह अपने घर के पास मौजूद था। इसी दौरान पहले गाली– गलौज की। विरोध करने पर उसपर फायर कर दिया। इससे वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। उसे कॉल्विन अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज में देरी का आरोप लगाकर साथ गए लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली। मामले में दो लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दूसरे की तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के सब्जी मंडी निवासी शिवम शुक्रवार देर रात अपने घर के पास ही मौजूद था। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे। आरोप है कि दोनों ने पहले शिवम के साथ गाली–गलौज की। इसके बाद विवाद बढ़ने पर एक युवक ने असलहे से फायर कर दिया। गोली लगते ही शिवम जमीन पर गिर पड़ा। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। इसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया गया।घायल शिवम को लेकर उसके परिचित कॉल्विन अस्पताल पहुंचे। वहां इलाज में देरी का आरोप लगाते हुए साथ आए लोगों ने नाराजगी जताई और हंगामा शुरू कर दिया। अस्पताल परिसर में शोर–शराबा होने की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद घायल का इलाज शुरू कराया गया।घटना के बाद पुलिस ने घायल पक्ष की तहरीर पर दो लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। इनमें एक आरोपी का नाम राजेश बताया जा रहा है। पुलिस ने एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे की तलाश में दबिश दी जा रही है।



खुल्दाबाद थाना प्रभारी केशव वर्मा ने बताया कि घायल और हमलावर दोनों पक्ष एक–दूसरे को पहले से जानते हैं। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि उनके बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और दूसरे की तलाश की जा रही है। घायल युवक का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आचार्य नरेंद्र देव की जयंती पर अखिलेश ने दी श्रद्धांजलि, भाजपा को बताया राजनीतिक गैंग

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आचार्य नरेंद्र देव की 137वीं जयंती पर गोमती नदी के तट स्थित उनकी समाधि पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आचार्य नरेंद्र देव और भारतरत्न सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने आचार्य नरेंद्र देव के विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।अखिलेश यादव ने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव महान शिक्षाविद, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, बहुभाषाविद, बौद्ध दर्शन के मर्मज्ञ और समाजवादी आंदोलन के प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने आजादी के बाद समाजवादी आंदोलन को दिशा दी। आचार्य जी का मानना था कि शांतिपूर्ण क्रांति से ही समाज को सही दिशा दी जा सकती है। सीतापुर में जन्मे आचार्य नरेंद्र देव की राजनीतिक कर्मभूमि अयोध्या रही। उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय में शिक्षक के रूप में भी सेवाएं दीं। अखिलेश यादव ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी सूझबूझ से स्वतंत्रता के बाद देश की रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया।इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा नकारात्मक विचारों वाला दल है। उसकी सोच विभाजनकारी है। उन्होंने भाजपा को राजनीतिक दल के बजाय गैंग बताते हुए आरोप लगाया कि उसकी राजनीति समाज में दरार पैदा करने पर आधारित है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने साम्प्रदायिक ताकतों के खिलाफ कदम उठाए थे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध लगाया था। आज देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती साम्प्रदायिक ताकतें हैं। इनके कमजोर होने से लोकतंत्र और मजबूत होगा। समाजवादी लोग भाजपा और उससे जुड़े लोगों के खिलाफ लगातार संघर्ष कर रहे हैं।अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का सपना दिखाया, लेकिन जनता को बुनियादी सुविधाएं और रोजगार देने में नाकाम रही। उन्होंने मंदिर में चढ़ावे की धनराशि, पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण और किसानों को फसल का उचित मूल्य न मिलने को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई और नौजवानों को पर्याप्त रोजगार नहीं मिल रहा है। भाजपा ने किसानों, नौजवानों और समाज के दूसरे वर्गों को निराश किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता भाजपा को सत्ता से हटाने का मन बना चुकी है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेता अब प्रदेश के विकास, निवेश, स्वच्छ भारत और डिजिटल इंडिया जैसे मुद्दों पर बात करने के बजाय आपसी विवादों में उलझे हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में 26 हजार प्राथमिक विद्यालय बंद किए जाने की बात सामने आई है। उन्होंने आशंका जताई कि बंद स्कूलों में शराब की दुकानें खोलने की योजना बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव शिक्षा को समाज सुधार का प्रमुख माध्यम मानते थे, लेकिन भाजपा सरकार शिक्षा व्यवस्था के साथ खिलवाड़ कर रही है। स्कूल बंद होने से छात्रों, शिक्षकों और ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों का भविष्य प्रभावित होगा।अखिलेश यादव ने सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था लगातार कमजोर हो रही है, जबकि निजी अस्पतालों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर और आगरा में पिछले दस वर्षों के दौरान पांच–पांच सौ निजी अस्पताल पंजीकृत हुए हैं। सरकारी अस्पतालों को इस तरह बदहाल किया जा रहा है कि मरीज निजी अस्पतालों में इलाज कराने को मजबूर हों।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जुड़े सवाल पर अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश की कानून–व्यवस्था, पुलिस के व्यवहार और हिरासत में होने वाली मौतों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदेश में पुलिस हिरासत में इतनी मौतें क्यों हो रही हैं, महिलाओं और बेटियों के खिलाफ अपराध क्यों बढ़ रहे हैं तथा साइबर धोखाधड़ी और हत्याओं की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं हो पा रहा है। उन्होंने पीडीए और दलित समाज के लोगों के उत्पीड़न, जेलों में उनकी स्थिति, मुसलमानों के साथ कथित अन्याय और निर्दोष लोगों के मकानों पर बुलडोजर चलाए जाने को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने विशेष कार्यबल (एसटीएफ) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इसे एक जाति विशेष की फोर्स बना दिया गया है। साथ ही उन्होंने डायल–100 व्यवस्था को कमजोर किए जाने का आरोप लगाते हुए गृह मंत्री से प्रदेश की कानून–व्यवस्था की समीक्षा करने की मांग की।कार्यक्रम में आचार्य नरेंद्र देव के परिवार के यशोवर्धन, मीरा वर्धन, कनिष्क, देवक और प्रियांशी ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। बाल विद्या मंदिर के बच्चों ने रामधुन और भजन प्रस्तुत किए।

रन-फार यूनिटी में बवाल, कुर्सियां तोड़ीं, सर्टिफिकेट लूटे

आयोजक भाजपा नेता को खदेड़ा, मैराथन में अराजकता पर भड़के

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह श्रन फॉर यूनिटीश मैराथन के दौरान जमकर बवाल हुआ। प्राइज बांटने के दौरान प्रतिभागियों ने कुर्सियां तोड़ डालीं। मंच पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे। सर्टिफिकेट की लूट मचा दी। प्रतिभागी एक–दूसरे से सर्टिफिकेट छीनने लगे।

आरोप है कि मैराथन में रजिस्ट्रेशन के बाद बिना नियम और झंडी दिखाए दौड़ शुरू कर दी गई। कुछ प्रतिभागियों ने बाइक पर बैठकर दौड़ पूरी की। इससे प्रतिभागी भड़क गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने आयोजक भाजपा नेता को घेर लिया। जब वह भागने लगे तो दौड़ाकर पकड़ लिया।

पुलिस भाजपा नेता को नाराज प्रतिभागियों से बचाकर थाने ले गई। इस दौरान लोगों की पुलिसवालों से भी तीखी नोकझोंक हुई। ज्ञात हो कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर नैनी में भाजपा यमुनापार ने मैराथन का आयोजन कराया था। इसमें 5 से 6 हजार लोग शामिल हुए थे। मामला अरैल घाट के सच्चा बाबा आश्रम के पास का है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर हुई मैराथन का मैनेजमेंट पूर्व राज्य मंत्री और बारा के पूर्व विधायक रामसेवक पटेल के बेटे, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. देवी सिंह पटेल देख रहे थे। मैराथन नैनी के अभिनंदन गेस्ट हाउस (मेवालाल की बगिया) से शुरू होकर सच्चा बाबा आश्रम (सेल्फी पॉइंट) तक होनी थी। मैराथन में विजेता को ध11,000 और रनर–अप को घ7,000 का इनाम दिया जाना था।

मैराथन की शुरुआत सुबह 7 बजे होनी थी। आरोप है कि मैराथन तय समय से आधे घंटे पहले ही शुरू कर दी गई। इसमें ऐसे लोग भी पहुंच गए, जिन्होंने रजिस्ट्रेशन नहीं कराया था। बिना किसी हरी झंडी और आधिकारिक शुभारंभ के हुई मैराथन में अफरा–तफरी मच गई। लोग भागने लगे और कुछ लोगों ने तो बीच रास्ते में बाइक पर बैठकर



मैराथन पूरी की। मैराथन में अराजकता देखकर प्रतिभागी भड़क गए।

सेल्फी पॉइंट पर बने मंच पर विजेता को सर्टिफिकेट दिए जाने के दौरान उन्होंने देवी सिंह पटेल को घेर लिया और बेईमानी का आरोप लगाते हुए दोबारा मैराथन कराने की मांग करने लगे। मंच के नीचे कुछ प्रतिभागियों ने तोड़फोड़ शुरू कर दी। देवी सिंह बचकर भागने लगे तो प्रतिभागियों ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ लिया।

पुलिस देवी सिंह को किसी तरह सुरक्षित निकालकर सरकारी जीप से नैनी थाने ले गई। वहां विजेता प्रतिभागियों को बुलाकर सम्मानित कराया गया और प्राइज मनी दिलवाई गई। इधर, प्रतिभागियों ने मंच पर रखे सर्टिफिकेट लूट लिए और उनके लिए मारामारी करने लगे।

राष्ट्रीय लोकदल ने प्रदेशभर में मनाई सरदार पटेल की 151वीं जयंती

लखनऊ (आरएनएस)। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश मुख्यालय में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक शिवकरण सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय महासचिव और केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य अनिल दुबे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान पार्टी पदाधिकारियों ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।मुख्य अतिथि अनिल दुबे ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश की छोटी–बड़ी रियासतों का एकीकरण कर भारत की एकता और अखंडता को मजबूत आधार दिया। उनका दृढ़ नेतृत्व, दूरदर्शिता और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके विचारों और आदर्शों को जीवन में अपनाते हुए राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सद्भाव बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शिवकरण सिंह ने कहा कि सरदार पटेल महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और राष्ट्र के सच्चे शुभचिंतक थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए समर्पित कर दिया। राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाता रहेगा। राष्ट्रीय लोकदल के प्रोफेशनल मंच के प्रदेश अध्यक्ष अम्बुज पटेल ने भी सरदार पटेल के जीवन और आदर्शों को सभी के लिए प्रेरणादायी बताते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता रजनीकांत मिश्रा, प्रदेश कोषाध्यक्ष बीएल प्रेमी, रमावती तिवारी, प्रीति श्रीवास्तव, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष परिणीता सिंह, श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश पाल धनगर, प्रमोद शुक्ला, छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष अमन पाण्डेय, अजय सिंह, रमेश कश्यप, विनोद खन्ना, माया देवी, मंजू

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 01 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

रैपिड एक्शन फोर्स में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर हुए कार्यक्रम

विजडम इंडिया

प्रयागराज (विनोद द्विवेदी – जिला संवाददाता) 101 रैपिड एक्शन फोर्स, शान्तिपुरम, प्रयागराज में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में श्रन फॉर यूनिटी एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया।



इस अवसर पर श्री हरिओम सागर, द्वि. कमा.अधि. (कमाण्डेंट ए.ओ.एल) के नेतृत्व में श्रन फॉर यूनिटीश का आयोजन किया गया, जिसमें वाहिनी के समस्त अधिकारियों एवं जवानों ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ बढ़ध्–चढ़ध्कर भाग लिया। इस दौड़ध् के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता, आपसी सघ्द्भाव एवं भाईचारे का संदेश दिया गया।

इसी कम में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया जिसमें श्री हरिओम सागर, द्वि. कमा.अधि. (कमाण्डेंट–ए.ओ.एल) ने अधिकारियों एवं जवानों को संबोधित करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, उनके अदम्य साहस, दूरदर्शिता एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ध् इच्छाशक्ति एवं कुशल नेतृत्व से देश की रियासतों का एकीकरण कर राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ध् करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उन्होंने सभी से राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता बनाए रखने के लिए सदैव समर्पित रहने तथा अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया।

महोदय द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को बनाए रखने तथा देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों एवं राष्ट्र के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए सभी के मन में राष्ट्रीय एकता, अखंडता, भाईचारे एवं राष्ट्रसेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ध् करना रहा।

उक्त अवसर पर श्री. नितिन कुमार (उप०कमा०), श्री. नीरज कुमार (उप०कमा०), अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवान एवं महिला कार्मिक उपस्थित रहे।

जाति जनगणना की मांग स्वीकार करने पर पीएम मोदी का आभार - आशीष पटेल

सुल्तानपुर। अपना दल (एस) के गठन के बाद से ही पार्टी जाति जनगणना की मांग उठाती रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मांग को स्वीकार कर लिया है, जिसके लिए पार्टी उनकी आभारी है। यह बात प्रदेश सरकार के मंत्री आशीष पटेल ने शनिवार को सुल्तानपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।दोपहर करीब एक बजे मीडिया से बातचीत में आशीष पटेल ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को उत्तर प्रदेश का अभिभावक बताते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन में उनकी पार्टी को संगठन, कार्यकर्ताओं और शासन की बेहतर समझ है। उन्होंने दावा किया कि अपना दल (एस) का संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और चुनावों में पार्टी का स्ट्राइक रेट 80 प्रतिशत से नीचे नहीं गया है।उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत के सवाल पर मंत्री ने कहा कि जिन सीटों पर सपा ने जीत दर्ज की है, वे पहले से ही उसके कब्जे में थीं। उन्होंने कहा कि एनडीए आगामी चुनाव में पूरी मजबूती के साथ मैदान में उतरेगा।राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आशीष पटेल ने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर हमला संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है। यदि किसी को किसी संस्था से शिकायत है तो उसे संवैधानिक दायरे में रहकर अपनी बात रखनी चाहिए। मंत्री ने बताया कि वह भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर स्थानीय विधायक सीताराम वर्मा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने सुल्तानपुर पहुंचे हैं। उन्होंने सरदार पटेल को कड़क प्रशासक और दूरदर्शी व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि देश की रियासतों को एकजुट कर अखंड भारत के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आशीष पटेल ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में एनडीए की सरकार तीसरी बार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी। एनडीए गठबंधन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन में ओम प्रकाश राजभर, संजय निषाद, अनुप्रिया पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पौत्र जयंत चौधरी जैसे प्रमुख नेता शामिल हैं। सुल्तानपुर में गठबंधन की भूमिका पर उन्होंने कहा कि अपना दल (एस) केवल टिकट पाने के लिए गठबंधन का हिस्सा नहीं बनती, बल्कि चुनाव जीतने के लक्ष्य के साथ गठबंधन में काम करती है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर विन्ध्यमाउण्ट इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुई शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

मीरजापुर, 31 अक्टूबर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर विन्ध्यमाउण्ट इंटरनेशनल स्कूल, वासलीगंज में शिक्षक एवं स्टाफ प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बिम्प्स के डायरेक्टर विजय दुबे ने विद्यालय के शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों को आधुनिक शिक्षण पद्धति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कंप्यूटर एवं स्मार्ट क्लास के उपयोग का प्रशिक्षण दिया।



विजय दुबे ने कहा कि एक सफल और आदर्श शिक्षक बनने के लिए केवल किताबी ज्ञान पर्याप्त नहीं है। शिक्षकों को आधुनिक तकनीक और स्मार्ट शिक्षण पद्धतियों को अपनाना होगा, तभी वे बच्चों को सरल, रोचक एवं प्रभावशाली तरीके से शिक्षित कर सकेंगे।

कार्यशाला में एआई की सहायता से लेसन प्लान, वर्कशीट एवं प्रश्नपत्र तैयार करने, पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन, कंप्यूटर संचालन, स्मार्ट क्लास प्रबंधन, क्लासरूम मैनेजमेंट एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही डेमो टीचिंग एवं एक्टिविटी बेस्ड लर्निंग के माध्यम से शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों का अभ्यास कराया गया।'

कार्यक्रम में जय कुमार, प्रियंका दुबे, रूपा गुप्ता, काजल, मांडवी, उन्नति जायसवाल, रंजना, धीरज उपाध्याय, निशांत कुमार, धरुव, सर्वजीत कौशल, सारिका शुक्ला, वंदना पांडे, संदीप उपाध्याय, श्वेता मिश्रा, मानतसा, अमनदीप, प्रियांशी एवं विंध्या सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

"वोट बचाओ, देश बचाओ" महारैली में उत्तर प्रदेश रचेगा इतिहास- श्रीमती आराधना मिश्रा मोना

राहुल गांधी जी के नेतृत्व में ही भारत का संविधान और लोकतंत्र बचेगा- श्री राजेंद्र पाल गौतम

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने स्वयं संभाली कमान, कंट्रोल रूम से सभी 6 जोन और 75 जिलों की तैयारियों पर सीधी निगरानी

दिल्ली कूच के लिए कांग्रेस संगठन पूरी ताकत के साथ मैदान में

लखनऊ 30 अक्टूबर 2026। लोकतंत्र, संविधान और मताधिकार की रक्षा के संकल्प के साथ 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली कांग्रेस की "वोट बचाओ, देश बचाओ" महारैली को सफल बनाने के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अपनी पूरी संगठनात्मक ताकत झोंक दी है।

दिल्ली के वार रूम से राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी संगठन श्री के0 सी0 वेणुगोपाल जी प्रत्येक राज्य में रैली की तैयारियों की कमान संभाल रहे हैं। दिल्ली वार रूम से उत्तर प्रदेश मुख्यालय स्थित कनेक्ट सेंटर (कांग्रेस वार रूम) के माध्यम से पार्टी के सभी फ्रंटल संगठनों, विभागों, सभी छः जोनों और प्रदेश के सभी 75 जिलों की तैयारियों की लगातार समीक्षा एवं मॉनिटरिंग कर रही हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस ने रैली में अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए व्यापक रणनीति तैयार की है। जिला स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन को सक्रिय करते हुए कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने के लिए समन्वित प्रयास किए जा रहे हैं। पार्टी का लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश की भागीदारी इस महारैली को ऐतिहासिक बनाए और लोकतंत्र की रक्षा का संदेश देश के कोने–कोने तक पहुंचे।

सभी छः जोन, 75 जिले और पूरा संगठन सक्रिय

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' ने बताया कि रैली की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। प्रदेश के सभी छः जोन– पश्चिम, बृज, अवध, बुंदेलखंड, प्रयाग और पूर्वांचल जोन में संगठनात्मक बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं। सभी 75 जिलों में जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के साथ समन्वय स्थापित कर दिल्ली पहुंचने की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है। पार्टी के सभी फ्रंटल संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों को भी सक्रिय जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि प्रत्येक स्तर पर बेहतर तालमेल और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी

प्रदेश प्रभारी श्री राजेंद्र पाल गौतम जी ने दिल्ली रैली को लेकर गंभीरतापूर्वक नेतृत्व संभाल रखा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से सभी जिलों में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेताओं को समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये नेता जिला स्तर पर तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं और कार्यकर्ताओं के साथ लगातार संपर्क में हैं। इसके साथ ही श्री राजेंद्र पाल गौतम जी के द्वारा सिविल सोसाइटी, सामाजिक संगठनों तथा प्रबुद्ध जनों से भी संवाद स्थापित कर उन्हें लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के इस अभियान से जुड़ने और दिल्ली पहुँचने का आह्वान किया गया है।

संगठनात्मक मोर्चेबंदी–पश्चिमी उ0प्र0 से अधिक से अधिक लोगों को दिल्ली पहुंचाने की तैयारी

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद श्री इमरान मसूद ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिल्ली रैली के लिए डटकर मोर्चा संभाल रखा है। श्री इमरान मसूद के अनुसार वह अभी तक 30 से अधिक संगठनात्मक बैठक कर चुके हैं वही पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए दिल्ली रैली में ज्यादा से ज्यादा संख्या लाने की जिम्मेदारी कांग्रेस के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष श्री देवेंद्र निषाद और श्री आलोक प्रसाद जोनवार और जिलावार बैठकें करके जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

श्री इमरान मसूद ने पश्चिमी उ0प्र0 के जनपदों के विभिन्न क्षेत्रों में दौरा कर कांग्रेसजनों एवं आम लोगों से मिलकर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा करने के लिए एवं लोकतंत्र में सबसे बड़ी ताकत वोट के अधिकार की रक्षा के लिए दिल्ली पहुंचने की अपील की है। उन्होने कहा कि केन्द्र में बैठी सरकार आम जनता के संवैधानिक अधिकार मताधिकार को छीनने का प्रयास कर रही है जिसे किसी कीमत पर छीनने नहीं देंगे।

वोट की ताकत ही लोकतंत्र की ताकत है"

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी श्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा है कि "वोट बचाओ, देश बचाओ" केवल एक रैली का नारा नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र, संविधान और प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा का संकल्प है। वोट जनता की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकत है। इस ताकत की रक्षा करना हर जागरूक नागरिक की जिम्मेदारी है। कांग्रेस पार्टी इसी संकल्प के साथ जनता की आवाज को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।"

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी संगठन की एकजुटता, कार्यकर्ताओं के उत्साह और वरिष्ठ नेताओं के समन्वय के साथ इस अभियान को जनभागीदारी का व्यापक स्वरूप देने में जुटी है। हाल ही में श्री राहुल गांधी जी के नेतृत्व में आयोजित सुप्रीम कोर्ट मार्च में उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भागीदारी ने संगठन की सक्रियता को प्रदर्शित किया था। अब 1 नवंबर की ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित रैली में भी उत्तर प्रदेश से व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

रामलीला मैदान से बुलंद होगी लोकतंत्र की आवाज

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' ने विश्वास व्यक्त किया है कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में उत्तर प्रदेश से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र समर्थक नागरिकों की बड़ी भागीदारी दर्ज होगी। यह रैली मताधिकार की सुरक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती और जनता के अधिकारों के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता को नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

उन्होंने प्रदेश के कांग्रेसजनों से आवाहन किया कि वे पूरी एकजुटता, अनुशासन और प्रतिबद्धता के साथ इस अभियान में भाग लें तथा लोकतंत्र की रक्षा के संदेश को जन–जन तक पहुंचाएं।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी का संकल्प स्पष्ट है–लोकतंत्र की रक्षा, मताधिकार का सम्मान और जनता की आवाज बुलंद करने के लिए संगठन पूरी मजबूती से मैदान में है।



इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और सरदार पटेल की जयंती पर कांग्रेसियों ने किया माल्यार्पण

मीरजापुर, आज 31 अक्टूबर को भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि एवं लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके अतुलनीय योगदान को याद किया।

अनुसूचित जाति के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर एवं पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ने माल्यार्पण करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण, राष्ट्रीय एकता एवं देश की अखंडता में दोनों महान नेताओं का योगदान अविस्मरणीय है।



श्री चौरी ने कहा कि स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी नेतृत्व क्षमता एवं दूरदर्शिता के बल पर राष्ट्रहित में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए और विश्व पटल पर भारत को एक विशिष्ट पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस दौरान जिला पंचायत सदस्य शिव शंकर चौबे एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मिन्हाज अहमद छोटे खान ने माल्यार्पण करते हुए कहा कि देश के प्रति उनकी निष्ठा और समर्पण आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से विनोद तिवारी, इस्तियाक अंसारी, सतीश शर्मा, गोपाल त्रिपाठी, राकेश कुमार राकेश, संत राम, निराचन, अशोक पासवान सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

एसआईआर जागरूकता एवं नशामुक्त युवा से विकसित भारत का संदेश लेकर आयोजित हुआ युवा संवाद

प्रयागराज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत, प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के सहयोग से आज कॉलेज के निर्मल देशपांडे सभागार में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय एसआईआर अभियान एवं विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा रहा।



कार्यक्रम में युवाओं के लिए एसआईआर आधारित क्विज आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। युवा आइकॉन अभिनय दुबे तथा अमरेश दुबे ने SIR – Know Your Vote' विषय पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्य अतिथि NSS समन्वयक डॉ. अरविंद मिश्रा रहे। संदर्भ व्यक्तियों के रूप में श्री महेश कुमार द्विवेदी, मेरा युवा भारत एवं डॉ. शैलेश यादव, सहायक आचार्य ने एसआईआर, नशामुक्त युवा एवं मेरा युवा भारत पोर्टल पर युवाओं को जानकारी दी।

कार्यक्रम में मेरा युवा भारत, प्रयागराज की उपनिदेशक जागृति पांडेय, रिफाक अहमद, डॉ०आलोक की उपस्थिति रही। क्विज प्रतियोगिता के विजेता –

1. प्रथम – यश्वी सोनी
2. द्वितीय – प्रीति बिन्द
3. तृतीय – प्रिंस यादव
4. सांत्वना – आयुषी जायसवाल

कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई

जौनपुर। भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री, महान राष्ट्रनिर्माता तथा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस जनपद में श्रद्धा, सम्मान एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना के साथ मनाया गया। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन., अपर जिलाधिकारी परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट सहित अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों ने कलेक्ट्रेट सभागार में सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। उन्होंने शपथ दिलाई कि सभी लोग राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करेंगे तथा देशवासियों के बीच एकता का संदेश फैलाने का भरसक प्रयास करेंगे। साथ ही देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। एक गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल देश की एकता एवं अखंडता के प्रतीक हैं। उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प, दूरदर्शी सोच और नेतृत्व क्षमता से देश की विभिन्न रियासतों को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके जीवन, विचारों एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत विविधताओं वाला देश है, जहां विभिन्न जाति, धर्म, भाषा एवं समुदायों के लोग आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ रहते हैं। यही विविधता हमारी ताकत और हमारी पहचान है। देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को आपसी सद्भाव, सहयोग और समन्वय की भावना के साथ आगे आना चाहिए। गोष्ठी में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट एवं शासकीय अधिवक्ता रविन्द्र नाथ ने भी सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन, कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके योगदान को याद किया। अतिरिक्त उपजिलाधिकारी, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। जिलाधिकारी मुख्य विकास अधिकारी , नरेन्द्र बहादुर सिंह , अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट विकास भवन स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर नगर पालिका में दी गई श्रद्धांजलि, राष्ट्रीय एकता की ली शपथ

मीरजापुर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर नगर पालिका कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नगर पालिका अधिशासी अधिकारी जी लाल,अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लौहपुरुष सरदार पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।इसके साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ ली।नगर पालिका अध्यक्ष श्यामसुंदर केशरी ने एकता दिवस पर लौपुरुष को श्रद्धांजलि अर्पित की है और कहा है कि सरदार वल्लभभाई पटेल का देश की एकता और अखंडता में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने आजादी के बाद देश की सैकडघें रियासतों का एकीकरण कर भारत को एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक कार्य किया था। उनकी दृढ़ध् इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता के कारण ही आधुनिक भारत के निर्माण को नई दिशा मिली। उन्होंने अपना पूरा जीवन देश की सेवा और राष्ट्र की एकता को समर्पित कर दिया। उनका व्यक्तित्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण सदैव देशवासियों को प्रेरणा देता रहेगा।अधिशासी अधिकारी ने भी सरदार पटेल के जीवन और उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान पर प्रकाश डाला और कहा कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन कर और देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने में अपना पूर्ण योगदान देना चाहिए।इस दौरान कर अधीक्षक शरदेंदु सिंह,कार्यालय अधीक्षक विनोद गुप्ता,संजय श्रीवास्तव,सौरभ कुमार,उमेश यादव,राकेश गुप्ता सहित पालिका के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



मिर्जापुर की सांसद व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने सरदार पटेल प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि
भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर भव्य पुष्पचर्चन समारोह का किया गया है आयोजन

बछरावां में जमीन के विवाद में फल की दुकान जलाई

बछरावां। विष्णुपुर मजरे के निवासी सज्जन सोनकर की फल की दुकान में देर रात आग लगा दी गई। इससे करीब दो लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पीडघ्ति ने भूमि विवाद के चलते गांव के कुछ लोगों पर आग लगाने का आरोप लगाया है।



सज्जन के मुताबिक, विपक्षियों से काफी समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आठ जून को इसी विवाद में गाली–गलौज हुई थी। बृहस्पतिवार शाम विपक्षियों ने उन पर ईंट फेंकी थी, हालांकि वह और उनका बेटा बाल–बाल बच गए। आरोप है कि इसी रंजिश में देर रात दुकान में आग लगा दी गई। फल की दुकान में लगाई गई आग।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 01 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

अमेरिका व उसके मित्र देशों की आंतरिक तैयारियां देख किसी बाहरी खतरे का हो रहा स्पष्ट आभास?

सबसे बड़ी आशंका ये है कि अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। साथ ही, यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी और ज्यादा भड़क सकता है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश आग उगल सकते हैं। अमेरिका अपनी वैश्विक बादशाहत बनाए रखने के लिए पूरी दुनिया को तृतीय विश्व युद्ध की आग में झोंकने वाला है! चाहे तेल का खेल हो या फिर मजबूत सरकारों को अस्थिर करने का षड्यंत्र– अमेरिकी रणनीति हर मोर्चे पर पिटती हुई प्रतीत हुई। इसी की खीझ में अब वह खाड़ी और मध्य–पूर्व देशों, यूरोप और भारतीय उपमहाद्वीप में कुछ नया गुल खिलाने वाला है क्योंकि उसके श्पालतू कुत्तोंश के पांव भी अब जमीन पर नहीं पड़ रहे हैं।अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों का कहना है कि रूस, चीन, भारत, ईरान, ब्राजील, अफगानिस्तान के खिलाफ वह ऐसा युद्ध छेड़ना चाहता है, ताकि इनकी आर्थिक कमर टूट जाए और जी–7 देशों की बादशाहत पूरी दुनिया पर बनी रहे। शायद इसलिए वह कुछ बड़ा करने वाला है और 90 दिन के लक्ष्य निर्धारित करते हुए अपनी तैयारियां पुख्ता कर रहा है।इस बात की चुगली पूरी दुनिया की वह गिनी चुनी सरकारें कर रही हैं, जो ऐसी चेतावनियाँ दे रही हैं, जैसी शायद आखिरी बार दूसरे विश्व युद्ध से पहले देखने को मिली थीं। जहां एक तरफ अमेरिका का पेंटागन अपने सभी मिलिट्री बेस को श्ऑपरेशन फोर्ट्रेसश के तहत तैयार कर रहा है, जिसके तहत अमेरिकी सैन्य ठिकानों को इस तरह तैयार किया जाएगा कि वे बाहर से खाना, पानी या किसी भी तरह की सप्लाई मिले बिना पूरे 90 दिनों तक अपना काम चला सकें।वहीं दूसरी तरफ, यूरोपीय देशों ब्रिटेन, नीदरलैंड और फ्रांस एवं एशियाई देश जापान ने अपने नागरिकों से कह दिया है कि वे कम से कम 72 घंटे तक काम आने वाला इमरजेंसी सामान अपने घर में जमा करके रखें। इसमें खाने–पीने की चीजें, पानी, दवाइयाँ और यहाँ तक कि नकद पैसे भी शामिल हैं, ताकि अगर बिजली, पानी और दूसरी जरूरी सुविधाएँ बंद हो जाएँ, तो लोग बिना किसी बाहरी मदद के कम से कम 72 घंटे तक अपना काम चला सकें। भले ही सरकारें इसकी आधिकारिक वजह खराब मौसम, एल नीनो, बिजली गुल होने और साइबर अटैक जैसी स्थितियों को बता रही हैं, लेकिन सर्वाधिक ध्यान देने वाली बात ये है कि कोई भी खुलकर श्युद्धश शब्द का इस्तेमाल नहीं कर रहा है। अब सवाल ये है कि आखिर अचानक दुनिया भर में ऐसी तैयारियाँ क्यों हो रही हैं? और अमेरिकी–यूरोपीय टारगेट पर आने वाले देश क्या तैयारियां कर रहे हैं? इसके पीछे सिर्फ दो संभावनाएँ हैं। पहली, ये सारी तैयारियाँ सिर्फ सुरक्षा के लिए की जा रही हैं और इनका किसी असली खतरे से कोई लेना–देना नहीं है। दूसरी, दुनिया की ये सारी सरकारें कुछ ऐसा जानती हैं, जिसके बारे में वे अभी हमें बता नहीं सकतीं या जानबूझकर बता नहीं रही हैं। और अगर दूसरी बात सही है, तो आखिर वो क्या है?सबसे बड़ी आशंका ये है कि



अमेरिका में मिडटर्म चुनावों के बाद अमेरिका और ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू हो सकता है। साथ ही, यूरोप में रूस और यूक्रेन के बीच चल रहा युद्ध भी और ज्यादा भड़क सकता है। इधर, भारत के खिलाफ पाकिस्तान, चीन, बांग्लादेश आग उगल सकते हैं। इसलिए पहले मैं ईरान की बात करता हूँ। अगर इस बार दोबारा युद्ध शुरू होता है, तो इसकी शुरुआत सबसे ज्यादा संभावना के साथ बाब अल–मंदेब के पास हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच टकराव से हो सकती है। इसका मतलब ये है कि तेल की सप्लाई पर खतरा सिर्फ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बाब अल–मंदेब के रास्ते पर भी बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। और धीरे–धीरे ये संकट स्वेज नहर तक फैल सकता है।आपको बता दूँ कि स्वेज नहर दुनिया के व्यापार का एक बेहद अहम रास्ता है। दावा है कि दुनिया का लगभग 25: व्यापार इसी रास्ते से गुजरता है। अगर ये रास्ता बंद हो गया, तो यूरोप, सब उस समय हो रहा है, जब अमेरिका का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर श्थियोडोर रूजवेल्टश मिडिल ईस्ट पहुँचने वाला है। इतना ही नहीं, अमेरिका ने अपने दूतावासों और सैन्य ठिकानों से गैर–जरूरी कर्मचारियों को भी मिडिल ईस्ट से निकलने के लिए कहा है। यानी अमेरिका वही तैयारियाँ दोबारा करता हुआ दिखाई दे रहा है, जैसी उसने इस साल 28 फरवरी को हुए हमले से पहले की थीं।और अब यूरोप की तरफ आइए। ऐसी रिपोर्टें आ रही हैं कि अमेरिका यूरोप में तैनात अपने नाटो सैनिकों में से लगभग एक–तिहाई सैनिकों को वापस बुला सकता है। इससे पहले अमेरिका दक्षिण कोरिया से अपना थाड (ज्।।क) एयर डिफेंस सिस्टम भी हटा चुका है। अब इस बात को समझिए कि दक्षिण कोरिया से थाड हटने के बाद उत्तर कोरिया से आने वाले संभावित मिसाइल हमलों से बचाव की उसकी क्षमता प्रभावित हो सकती है। ठीक उसी तरह, अगर अमेरिका यूरोप से अपने सैनिकों को वापस बुला लेता है, तो उत्तरी अमेरिका और एशिया के बीच व्यापार के रास्ते लगभग कटकर रह जाएँगे। दुनिया भर में सामान पहुँचाने में भारी रुकावट आएगी और तेल की सप्लाई पर भी बहुत बड़ा असर पड़ सकता है।और ये रूस के सामने यूरोप की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। और रूस के राष्ट्रपति पुतिन इसी स्थिति का फायदा उठाना चाहते हैं। यही वजह है कि यूरोप के देश अपनी सेना और रक्षा पर खर्च लगातार बढ़ा रहे हैं। दूसरी तरफ, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आम लोगों के लिए जरूरी सार्वजनिक सुविधाओं पर खर्च कम किया जा रहा है। यानी आम जनता की सुविधाओं पर दबाव बढ़ रहा है, लेकिन सेना और हथियारों पर खर्च बढ़ाने का सिलसिला रुक नहीं रहा है। यूरोप के देशों में इसी बात को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं कि सरकारें आम लोगों की जरूरतों पर खर्च कम कर रही हैं, जबकि सेना और रक्षा पर लगातार ज्यादा पैसा लगा रही हैं।इसके बावजूद कोई भी देश अपनी रक्षा तैयारियों को धीमा करने के लिए तैयार नहीं दिख रहा है। यूरोपीय देश सेना और रक्षा पर अब उतना पैसा खर्च कर रहे हैं, जितना दूसरे विश्व युद्ध के बाद से किसी भी समय नहीं किया गया था। खासकर जर्मनी ने तो यहाँ तक कह दिया है कि उसके अस्पतालों को तैयार रहना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर वे एक ही रात में कम से कम 1,000 मरीजों का इलाज कर सकें।अब इन सारी बातों को एक साथ जोड़कर देखिए तो आभास होता है कि दुनिया की सरकारें अपने नागरिकों से इमरजेंसी सामान जमा करने को कह रही हैं। अमेरिका अपने सैन्य ठिकानों को 90 दिनों तक बिना बाहरी सप्लाई के चलने के लिए तैयार कर रहा है। मिडिल ईस्ट में अमेरिकी सैन्य गतिविधियाँ बढ़ रही हैं, दूतावासों और सैन्य ठिकानों से गैर–जरूरी कर्मचारियों को हटाया जा रहा है और दुनिया के सबसे अहम तेल और व्यापारिक रास्तों पर खतरा मंडरा रहा है।
दूसरी तरफ, अमेरिका के यूरोप से सैनिक वापस बुलाने की खबरों के बीच यूरोपीय देश अपनी सेना और हथियारों पर रिकॉर्ड स्तर पर पैसा खर्च कर रहे हैं। जर्मनी के अस्पतालों को एक ही रात में 1,000 मरीजों को संभालने के लिए तैयार रहने को कहा जा रहा है। यानी दुनिया की तमाम बड़ी ताकतें एक ही समय पर ऐसी तैयारियाँ कर रही हैं, जो युद्ध जैसी किसी बड़ी स्थिति में काम आ सकती हैं, लेकिन कोई भी खुलकर श्युद्धश शब्द का इस्तेमाल नहीं कर रहा है! अब आप खुद सोचिए कि जब अलग–अलग देशों की सरकारें एक साथ इस तरह की तैयारियाँ कर रही हैं, तो आखिर उन्हें किस चीज का डर है? क्या ये सब सिर्फ सामान्य सुरक्षा तैयारियाँ हैं, या फिर सरकारें किसी ऐसी स्थिति के लिए तैयारी कर रही हैं, जिसके बारे में आम लोगों को अभी बताया नहीं जा रहा है? ब्रिक्स देशों को भी अब सावधान हो जाना चाहिए क्योंकि देर सबेर ये गाज उन्हीं पर गिरने वाली है। शुरुआत भले ही ईरान व रूस से हो, लेकिन देर सबेर भारत और चीन दोनों को लपेटा जाना तय है।

सम्पादकीय

असल सूरत की गलत व्याख्या

सरकार और रेजीम एक ही चीज नहीं हैं। सरकार लोगों का एक समूह है, जिसके पास सत्ता होती है। जबकि रेजीम नियमों की वो व्यवस्था है, जिसके तहत सत्ता पाई जाती है और उसका संचालन होता है। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त विरोधी वर्तमान आंदोलन श्रेजीम चेंजय (शासन–तंत्र में परिवर्तन) के लिए है और इसमें कोई बुराई नहीं है। चूंकि उसके कुछ ही रोज पहले भूषण नेता विपक्ष राहुल गांधी के निवास पर एक बैठक में शामिल हुए थे, इसलिए भाजपा को इस बयान में कांग्रेस को घेरने का मौका नजर आया। यहां तक कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तक ने इस वक्तव्य को देश में अराजकता फैला कर सत्ता प्राप्त करने की कांग्रेस की कोशिश का प्रमाण बताया। कांग्रेस ने इसका जवाब यह कह कर दिया कि लोकतंत्र में विपक्ष का काम ही सरकार को बेनकाब करना, विरोध करना और उसे पद से हटाने की कोशिश करना है।

मगर राजनीति–शास्त्र के नजरिए से देखें, तो सरकार और शासन–तंत्र एक ही चीज नहीं हैं। इसके मुताबिक सरकार लोगों का एक खास समूह है, जिसके हाथ में सत्ता होती है। जबकि रेजीम (शासन–तंत्र) नियमों की वह व्यवस्था है, जिनके जरिए सत्ता हासिल की जाती है और उसका संचालन किया जाता है। इस अर्थ में देखें तो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा का 2014 में सत्ता में आना रेजीम चेंज साबित हुआ है। मोदी तब स्थापित या प्रचलित कायदों के जरिए सत्ता में जरूर आए, लेकिन उनकी सरकार ने सत्ता संचालन की रवायत, संदर्भ बिंदु और अनेक कायदों को बदल डाला है। एक समझ है यह कि ऐसा कर चुकने के बाद वह सत्ता प्राप्त करने के कायदों को बदलने में जुटी हुई है। धारणा बनी है कि निर्वाचन आयोग इसी मकसद को लागू करने की एजेंसी बन गया है। फिलहाल छिड़ा सियासी आंदोलन इसी शिकायत से उपजा है। अतरू ताजा बहस में मुद्दा है कि क्या मोदी विरोधी इस आंदोलन के जरिए पुरानी रवायतों को वापस लाने की बात कर रहे हैं या कोई नई व्यवस्था थोपना चाहते हैं? अगर नई व्यवस्था की बात नहीं है (जैसाकि प्रथम दृष्टि में दिखता है), तो वे असल में रेजीम चेंज के बजाय रेजीम बहाली की बात कर रहे हैं। इसे अराजकता या संवैधानिक दायरे से बाहर बताना संभवतरू असल सूरत की गलत व्याख्या है।

आधुनिक तकनीक से जीवंत हुईं जनजातीय अमर बलिदानियों की शौर्यगाथाएं

छत्तीसगढ़ की पावन धरा सदियों से त्याग, तपस्या, संघर्ष और स्वाभिमान की साक्षी रही है। यहां के घने जंगलों, पर्वतों और वनांचलों में स्वतंत्रता की ऐसी अनगिनत गाथाएं जन्मीं, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिलाकर रख दी थी। इतिहास के पन्नों में अपेक्षित स्थान नहीं पा सके इन जनजातीय नायकों के अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान को अब एक नई पहचान मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के दूरदर्शी नेतृत्व और जनजातीय कल्याण मंत्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में नवा रायपुर अटल नगर में निर्मित श्शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालयश्च देश में जनजातीय शौर्य, स्वाभिमान और आधुनिक डिजिटल तकनीक के अनूठे संगम के रूप में उभरा है। यह भव्य संग्रहालय केवल ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण केंद्र नहीं, बल्कि उन अमर बलिदानियों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक है, जिन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और जल–जंगल–जमीन की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर 1 नवंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भव्य संग्रहालय को राष्ट्र को समर्पित किया था। यह अवसर केवल एक संग्रहालय के लोकार्पण का नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के गौरवशाली इतिहास को राष्ट्रीय पहचान दिलाने के संकल्प की सार्थक अभिव्यक्ति का था। लगभग 50 से 55 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित यह अत्याधुनिक संग्रहालय जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत करने वाली देश की विशिष्ट परियोजनाओं में शामिल है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और ऐतिहासिक योगदान को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। यह संग्रहालय उसी सोच का साकार स्वरूप है, जिसमें विकास के साथ अपनी जड़ों, संस्कृति और पुरखों के बलिदान को सहेजने का संकल्प निहित है। विशेष रूप से जनजातीय पृष्ठभूमि से आने वाले मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में इस ऐतिहासिक धरोहर का निर्माण प्रदेश के जनजातीय समाज के गौरव और आत्मसम्मान को नई ऊंचाई प्रदान करता है। भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 में सोनाखान के अमर शहीद वीर नारायण सिंह ने जिस साहस और स्वाभिमान का परिचय दिया, वह आज भी छत्तीसगढ़ की सामूहिक चेतना में जीवित है। अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल विद्रोह नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, सामाजिक न्याय और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण था। इस संग्रहालय में वीर नारायण सिंह सहित उन असंख्य जनजातीय योद्धाओं की गाथाओं को जीवंत किया गया है, जिनका संघर्ष स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत आधारशिला बना। जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में स्थापित इस संग्रहालय की भव्य दीर्घाएं इतिहास के उन अध्यायों से परिचित कराती हैं, जिन्हें जानना प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। यहां लगभग 650 से अधिक जीवंत मूर्तिशिल्पों के माध्यम से जनजातीय संघर्षों का प्रभावशाली चित्रण किया गया है।

अखंडता का संकल्प सरदार पटेल और मजबूत भारत का सपना

भारत की पहचान उसकी विविधता और एकता में है। यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं, अलग–अलग संस्कृतियों और परंपराओं का पालन किया जाता है, फिर भी देशवासियों को एक सूत्र में बाँधने वाली भावना है–राष्ट्रीय एकता। यह एकता केवल देश की सीमाओं की रक्षा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हर नागरिक स्वयं को देश के साझा भविष्य का महत्वपूर्ण हिस्सा महसूस करे। हर वर्ष 31 अक्टूबर को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। यह दिवस हमें उनके ऐतिहासिक योगदान को याद करने के साथ–साथ आज के भारत में एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की जिम्मेदारी का एहसास कराता है।सरदार पटेल ने रखी एकीकृत भारत की मजबूत नींव वर्ष 1947 में देश की स्वतंत्रता के समय भारत के सामने अनेक चुनौतियाँ थीं। अंग्रेजी शासन समाप्त होने के बाद देशी रियासतों को भारतीय संघ में शामिल करना एक बड़ी चुनौती थी। ऐसे समय में देश के पहले उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने वी. पी. मेनन और अन्य अधिकारियों के सहयोग से संवाद, समझदारी और दृढ़ नेतृत्व के माध्यम से रियासतों के एकीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया, जिन्होंने 560 से अधिक रियासतों का भारत संघ में विलय कर देश को एक सूत्र में पिरोया। देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को मजबूत करने तथा आंतरिक एवं बाहरी चुनौतियों का सामना करने के लिए राष्ट्रीय संकल्प को मजबूत किया। सरदार वल्लभभाई पटेल के प्रयासों ने एक मजबूत और एकीकृत भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष 2014 से उनकी जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में विशेष रूप से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर श्रन फॉर यूनिटीश, राष्ट्रीय एकता की शपथ और विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से देश की एकता और अखंडता का संदेश दिया जाता है। सरदार पटेल की विरासत हमें सिखाती है कि विभिन्न विचारों, हितों और पहचानों के बीच तालमेल बनाकर ही एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है।आज विकास के साथ एकता को मजबूत करना भी जरूरी आज भारत के सामने चुनौती रियासतों को एकजुट करने की नहीं, बल्कि विकास के लाभों को देश के प्रत्येक क्षेत्र और नागरिक तक पहुँचाने की है। सड़क, रेल, बिजली, संचार और डिजिटल सुविधाओं का विस्तार दूरस्थ क्षेत्रों को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ता है। इससे लोगों को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य सेवाओं और व्यापार के बेहतर अवसर मिल सकते हैं। हालाँकि, केवल बुनियादी ढाँचे का विकास ही राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके लिए यह भी जरूरी है कि विभिन्न क्षेत्रों के लोगों को विकास के समान अवसर मिलें, सार्वजनिक सेवाएँ सुलभ हों और उनकी आवश्यकताओं को उचित महत्व दिया जाए। लोकतंत्र की स्थिरता, स्वतंत्रता की रक्षा और राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए राष्ट्रीय एकता और एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। जब तक पूरा राष्ट्र एकता की भावना से बंध नहीं जाता, तब तक देश में कोई विकास या आर्थिक प्रगति संभव नहीं है। इसलिए, राष्ट्रीय एकीकरण को सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रवाद को बढ़ावा देना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। राष्ट्रीय एकीकरण की रक्षा के लिए हमें एक मजबूत राष्ट्र की आवश्यकता है। अतरू जाति, क्षेत्रवाद, धर्म आदि पर केंद्रित संकीर्ण सोच से दूर रहकर हमें विघटनकारी तत्वों का दमन करना चाहिए। प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत, जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और अन्य जनकल्याणकारी योजनाएँ लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में योगदान देती हैं। जब शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचता है और लोगों को आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं, तब व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ता है। यही विश्वास राष्ट्रीय एकता की नींव को मजबूत करता है। सहकारी संघवाद से मजबूत होगा देश भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार, उद्योग और आंतरिक सुरक्षा जैसे विषयों पर मिलकर काम करने से विकास को गति मिलती है। लोकतंत्र में राजनीतिक विचारों और क्षेत्रीय आकांक्षाओं में अंतर होना स्वाभाविक है। महत्वपूर्ण यह है कि इन मतभेदों का समाधान संवाद, संवैधानिक मूल्यों और आपसी सम्मान के माध्यम से किया जाए। जब विभिन्न सरकारें और संस्थाएँ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए जनहित को प्राथमिकता देती हैं, तब राष्ट्रीय एकता और मजबूत होती है। विकास की योजनाओं में स्थानीय जरूरतों का ध्यान रखना भी आवश्यक है, ताकि दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों के नागरिक स्वयं को देश की विकास यात्रा से जुड़ा हुआ महसूस करें। विविधता का सम्मान ही भारत की असली ताकत भारत की एकता का अर्थ यह नहीं है कि सभी लोग एक जैसी भाषा बोलें, एक जैसी परंपराएँ अपनाएँ या एक जैसे विचार रखें। भारत की वास्तविक ताकत इस बात में है कि अलग–अलग पहचान और जीवनशैली वाले लोग एक–दूसरे का सम्मान करते हुए साथ रह सकें। डिजिटल संचार के इस दौर में सूचनाएँ तेजी से फैलती हैं। ऐसे में अफवाहों से बचना, किसी भी सूचना की सत्यता जाँचना और जिम्मेदारी के साथ अपनी बात रखना पहले से अधिक जरूरी हो गया है। समाज में अविश्वास और तनाव बढ़ाने वाली गतिविधियों के बजाय संवाद, सहयोग और भाईचारे को बढ़ावा देना चाहिए। राष्ट्रीय एकता केवल सरकारी कार्यक्रमों या संदेशों से कायम नहीं रह सकती। इसे मजबूत बनाने के लिए नागरिकों के दैनिक व्यवहार में समानता, संवेदनशीलता और परस्पर सम्मान का होना आवश्यक है। श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश्से बढ़ेगी आपसी समझ देश की सांस्कृतिक विविधता को समझने और राज्यों के बीच आपसी संबंध मजबूत करने के उद्देश्य से वर्ष 2015 में श्एक भारत, श्रेष्ठ भारतश्य पहल शुरू की गई। इसके माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सांस्कृतिक आदान–प्रदान तथा पारस्परिक समझ को बढ़ावा दिया जाता है। शैक्षणिक गतिविधियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अंतरराज्यीय यात्राएँ और विभिन्न क्षेत्रों की कला एवं परंपराओं से परिचित कराने वाले आयोजन विशेष रूप से युवाओं में राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित कर सकते हैं। 1 से 15 नवंबर 2026 तक एक भारत श्रेष्ठ भारत की थीम पर भारत पर्व का आयोजन भी किया जाएगा। युवा देश का भविष्य हैं। शिक्षा, खेल, सामाजिक सेवा, स्वच्छता और जनजागरूकता जैसे कार्यों में उनकी भागीदारी समाज को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जब युवा क्षेत्रीय और भाषाई भेदभाव से ऊपर उठकर देशहित को प्राथमिकता देते हैं, तब एक मजबूत और समावेशी भारत का मार्ग प्रशस्त होता है। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें याद दिलाता है कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का साझा कर्तव्य है। देश की सुरक्षा के साथ–साथ सामाजिक सद्भाव, विकास के समान अवसर, सार्वजनिक सेवाओं तक पहुँच और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास भी स्थायी शांति के लिए आवश्यक हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल ने भारत के राजनीतिक एकीकरण में ऐतिहासिक योगदान दिया। वर्तमान पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह समावेशी विकास, सामाजिक न्याय, आपसी सम्मान और संवैधानिक मूल्यों के माध्यम से इस एकता को और मजबूत बनाए। राष्ट्रीय एकता का वास्तविक अर्थ यह नहीं है कि देश का प्रत्येक नागरिक एक जैसा सोचे, बल्कि यह है कि अलग–अलग विचारों, भाषाओं और संस्कृतियों के बावजूद सभी एक साझा भविष्य के निर्माण के लिए साथ खड़े हों। सरदार पटेल की विरासत से प्रेरणा लेकर एकता, सद्भाव और सहयोग को जीवन का हिस्सा बनाना ही राष्ट्रीय एकता दिवस का सच्चा संदेश है।

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुंचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष राशि–
काम में जल्दबाजी करने से बचें मेष राशि वालों आज किसी भी काम को पूरा करने में जल्दबाजी ना करें, नहीं तो उस काम में कुछ कमियां रह जाएंगी।

वृषभ राशि–
निवेश से मिल सकता है फायदा वृष राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आया है। पहले से ही किए हुए निवेश का आज आपको फायदा मिलेगा।

मिथुन राशि–
खुशियों से भरा रहेगा दिन मिथुन राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आप अपने भविष्य को आगे बढ़ाने की योजनाओं पर ध्यान देंगे।

कर्क राशि–
आर्थिक स्थिति होगी मजबूत कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आपको अपनी बचत में से कुछ पैसा निकालने की जरूरत पड़ सकती है।

सिंह राशि–
किस्मत का मिलेगा साथ सिंह राशि वालों आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आज आप जिस काम को पूरा करने की कोशिश करेंगे, वो आसानी से पूरा हो जाएगा।

कन्या राशि–
कारोबार में होगा फायदा कन्या राशि वालों आज कामकाज के बारे में गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

तुला राशि–
तरक्की के नए अवसर मिलेंगे तुला राशि वालों आज आपके जीवन में कई नए बदलाव आएंगे, जो आपके भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होंगे।

वृश्चिक राशि–
करियर से जुड़ी मिलेगी शुभ सूचना वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। छात्रों को आज कहीं से करियर संबंधी शुभ सूचना मिलेगी, जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बनेगा।

धनु राशि–
धनु राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर के रुके हुए सभी काम आज आसानी से पूरे होंगे। किसी बात को लेकर आपके मन में उत्सुकता बनी रहेगी।

मकर राशि–
ऑनलाइन कारोबार में मिलेगा बड़ा ऑर्डर मकर राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आज कार्यों को पूरा होने में कुछ अधिक समय लगेगा।

कुंभ राशि –
गुस्से पर रखें नियंत्रण कुंभ राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहेगा। आज आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है।

मीन राशि–
वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। छात्रों को आज कुछ नया सीखने का मौका मिलेगा, जिसमें गुरुओं का सहयोग प्राप्त होगा।

सपा कार्यालय पर लौह पुरुष सरदार पटेल व आचार्य नरेन्द्र देव की मनी जयंती

मिर्जापुर। आधुनिक भारत के निर्माता भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं समाजवादी नेता व विचारक आचार्य नरेंद्र देव की जयंती समारोह समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अशोक यादव की अध्यक्षता में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दोनो महापुरूषो के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी। संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि जौनपुर मुगरा बादशाहपुर के विधायक पंकज पटेल मौजूद रहें।



इस मौके पर विधायक पंकज पटेल ने कहा कि देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपने कठिन परिश्रम से भारत का एक नये सिरे से निर्माण किया। उनके प्रयासों से भारत की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक स्थिति में एक नया मोड़ आया। उन्होने कहा कि सरदार पटेल का देश की एकता और अखंडता में अविस्मरणीय योगदान रहा। 562 रियासतों के एकीकरण में सरदार पटेल ने अपनी दूरदर्शिता एवं कठोर निर्णय क्षमता का प्रदर्शन किया।

श्री पटेल ने कहा कि शिक्षाविद आचार्य नरेंद्र देव समाजवाद के असली प्रेरणादायक थे। उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर सोशलिस्ट कांग्रेस की स्थापना की थी। राम मनोहर लोहिया उन्हें अपना गुरु मानते थे।

संगोष्ठी में समाजवादी पार्टी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि देश की एकता और अखंडता में सरदार पटेल के योगदान को देखते हुए उनका जन्म दिन एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। सरदार पटेल ने भारत को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। आज जो अखंड भारत का स्वरूप देखने को मिल रहा है वह सरदार पटेल की ही देन है। लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का संदेश समाज में एकता, प्रेम, शांति और बंधुत्व की भावना को बढ़ावा देता है। सरदार पटेल आजाद भारत के शिल्पकार थे।

सरदार वल्लभ भाई पटेल का देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका रही। देश के विभाजन के समय रियासतों से तालमेल बैठाकर भारत के साथ मिलाने में पटेल जी की भूमिका सराहनीय थी।

उन्होने कहा कि देश के महान चिंतक और त्याग की प्रतिमूर्ति आचार्य नरेंद्र देव देश की दशा और गरीबों की दुर्दशा देखकर समाजवादी हुए।

गोष्ठी की अध्यक्षता कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अशोक यादव एवं संचालन जिला महासचिव आदर्श यादव ने किया।

संगोष्ठी में पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया, पूर्व विधायक जगतम्बा सिंह पटेल, पूर्व जिलाध्यक्ष शिवशंकर सिंह यादव, मुन्नी यादव, आशीष यादव, रविन्द्र बहादुर सिंह, सुरेन्द्र सिंह पटेल, रामराज पटेल, राजेश भारती, अवधेश पटेल, परवीन बानो, राणा प्रताप सिंह, सत्यप्रकाश यादव, झल्लू यादव, विजय पटेल, सतीश मिश्रा, संतोष गोयल, रामजी मौर्या, अभय यादव, संग्राम बिन्द, लल्लू दूबे, कन्हैया यादव, मुकुन्द यादव, राममिलन यादव, विजय प्रजापति, बलराम यादव, राकेश यादव, अशोक यादव, बृजलाल मौर्या, गायत्री पटेल, बन्दना पटेल, वन्दना गुप्ता, श्याम अचल यादव, रमाशंकर कोल, कौशिक कन्नौजिया, अतीक खां, अनीस खां, जहाआरा, प्रिस राव, लाल बहादुर यादव, मेवालाल प्रजापति, राजकुमार यादव, उदल पासी, रामराज यादव, वीरेन्द्र यादव, सुरेन्द्र त्रिपाठी, रत्नेश श्रीवास्तव, झल्लो देवी, दिव्या गुप्ता, विष्णुचरण यादव, संदेश यादव, उपेन्द्र तिवारी, जैन कुशवाहा, डा0 रतन सिंह पटेल, डा0 शक्ति श्रीवास्तव, सुरेश पटेल, मुन्ना यादव, शहनवाज खा, भरत बिन्द, धनराज यादव, रंजीत फौजी, पिन्टू यादव, गणेश केशरी, रवि सोनकर, बबलू शुक्ला, जमुना यादव, अभिषेक दूबे, अमरेश सोनकर आदि मौजूद रहें।

फसल क्षति की सूचना 72 घंटे के भीतर देना अनिवार्य,

अक्टूबर (आरएनएस)। जनपद के समस्त प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित किसान खरीफ सत्र–2026 में प्राकृतिक आपदा के कारण फसल को नुकसान होने पर घटना के 72 घंटे के भीतर शिकायत दर्ज कराना अनिवार्य है। निर्धारित समयसीमा के भीतर सूचना प्राप्त होने पर ही नियमानुसार फसल क्षति के आकलन एवं क्षतिपूर्ति की कार्यवाही की जा सकेगी। उक्त जानकारी जिला कृषि अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि बीते 28 अक्टूबर से 30 अक्टूबर के बीच चक्रवात, ओलावृष्टि एवं तेज आंधी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए रखी गई उपज को नुकसान पहुंचने की स्थिति में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत क्षतिपूर्ति का प्रावधान है। यह सुविधा फसल कटाई के बाद अधिकतम 14 दिनों तक खेत में सुखाने के लिए रखी गई उपज पर लागू होगी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा से फसल को नुकसान होने की स्थिति में संबंधित किसान को घटना के 72 घंटे के भीतर अपनी शिकायत दर्ज करानी होगी। निर्धारित समय में शिकायत प्राप्त होने पर बीमा कंपनी, राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम द्वारा प्रभावित खेत का स्थलीय सत्यापन कर फसल क्षति का आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर पात्र किसानों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति दिलाने की कार्यवाही की जाएगी। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि किसान अपनी शिकायत भारत सरकार के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 अथवा क्रॉप इंश्योरेंस मोबाइल ऐप के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। शिकायत दर्ज कराते समय किसानों को अपनी बीमा पॉलिसी संख्या एवं मोबाइल नंबर की जानकारी देनी होगी। शिकायत दर्ज होने के बाद प्राप्त डॉकेट नंबर को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राकृतिक आपदा की घटना के 72 घंटे बाद दर्ज कराई गई शिकायतें नियमानुसार स्वीकार नहीं की जाती हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में कुल 41,878 किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमित हैं। ऐसे में सभी बीमित किसानों से अपील है कि वे फसल क्षति होने की स्थिति में निर्धारित समयसीमा का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की देरी न करें। जिला कृषि अधिकारी संजीव कुमार सिंह ने किसानों से यह भी अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण जानकारी को अधिक से अधिक किसान भाइयों तक पहुंचाएं, ताकि कोई भी पात्र किसान समय से शिकायत दर्ज न करा पाने के कारण बीमा योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। योजना से संबंधित अधिक जानकारी एवं सहायता के लिए किसान भाई टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 14447 पर संपर्क कर सकते हैं।

प्रसूताओं के वार्ड में छत से टपक रहा पानी, बढ़ी परेशानी

बछरावां,रायबरेली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां के जच्चा–बच्चा वार्ड में छत से पानी टपकने का मामला सामने आया है। वार्ड में भर्ती प्रसूताओं और उनके तीमारदारों को इससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल की बदहाल व्यवस्था से जुड़ा वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े होने लगे हैं। पूनम, मंजू, शिवानी, सौम्या, सुपर्णा और राजेश्वरी समेत अन्य तीमारदारों ने बताया कि अस्पताल में व्यवस्थाओं के नाम पर मरीजों को केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं। जच्चा–बच्चा वार्ड जैसी संवेदनशील जगह पर छत से पानी टपकना स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत बयां कर रहा है। प्रसूताओं को पहले से ही विशेष देखभाल की जरूरत होती है। ऐसे में वार्ड की छत से पानी टपकने के कारण उन्हें असुविधा झेलनी पड़ रही है। तीमारदारों का आरोप है कि अस्पताल में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर स्थिति इसके विपरीत है। उनका कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही से सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है। अस्पताल में भर्ती मरीजों को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। वीडियो वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में भी मामले को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। लोगों ने वार्ड की मरम्मत कराने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। अस्पताल अधीक्षिका डॉ. अर्पिता श्रीवास्तव ने बताया कि मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है। जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पिता की पुण्यतिथि पर ब्लॉक प्रमुख ने बांटे अंगवस्त्र

बछरावां,रायबरेली। स्थानीय विकास खंड क्षेत्र में रविवार को सेवा और समर्पण की मिसाल देखने को मिली। ब्लॉक प्रमुख अमन सिंह दऊवा ने अपने पिता पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्व. अजय सिंह दऊवा की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर अंगवस्त्र एवं प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन कंजेश्वर धाम पस्तौर कार्यक्रम स्थल पर किया गया था, जहां सजावट और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख अमन सिंह दऊवा ल ने सैकड़ों जरूरतमंद महिला–पुरुषों को अपने हाथों से अंग वस्त्र (सप्रेम भेंट) वितरित किए और प्रसाद ग्रहण कराया। ब्लॉक प्रमुख अमन सिंह दऊवा ने कहा कि उनके पिता स्व. अजय सिंह दऊवा ने हमेशा गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा को ही अपना धर्म माना। उन्हीं के पद चिन्हों पर चलते हुए उनकी पुण्यतिथि को सेवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है।इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वही मुख्य रूप से विचित्रानंद जी महाराज, सत्येंद्र श्रीवास्तव, शैलेंद्र श्रीवास्तव, शेखर चौधरी, पिंटू चौधरी, परमानंद चौधरी, गोलू, प्रशांत चौधरी, प्रमोद शुक्ला, निखिल चौधरी, सत्यम त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने स्व. अजय सिंह दऊवा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ।

नवंबर के तृतीय सप्ताह से प्रारंभ होंगी विश्वविद्यालय की परीक्षाएँ : परीक्षा समिति ने लिया निर्णय

मीरजापुर। माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर की परीक्षाएँ 18 नवंबर से प्रारंभ होंगी। परीक्षाओं के सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन को लेकर आज कुलपति प्रो. शोभा गौडघ की अध्यक्षता में परीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में परीक्षा केंद्रों के निर्धारण, परीक्षा तिथियों तथा परीक्षा संचालन से जुडघे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया।



बैठक में नवंबर माह के तीसरे सप्ताह से प्रारंभ होने वाली परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय–सारिणी के अनुसार परीक्षा संपन्न कराने तथा परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। समस्त दो पालियों में सम्पन्न होंगी। इसके साथ ही एलएलबी, बीएड एवं एमएड पाठ्यक्रमों की बैक पेपर तथा अंक सुधार परीक्षाओं के आयोजन से संबंधित विषयों पर भी विचार–विमर्श किया गया।

कुलपति प्रो. शोभा गौडघ ने परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं समयबद्ध बनाने पर जोर देते हुए विद्यार्थियों की सुविधा और परीक्षा की शुचिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं समिति के सदस्यों से परीक्षा संचालन की सभी तैयारियाँ समय से पूर्ण करने तथा परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए साथ ही सभी महाविद्यालयों से यह अपेक्षा की गई कि वे अपने सभी पाठ्यक्रमों को समय से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

बैठक में राजकीय पी.जी. कॉलेज, मंगरहा, मीरजापुर के प्राचार्य डॉ. दिनेश यादव, राजकीय महाविद्यालय, मझवां के प्राचार्य प्रो. सूबेदार यादव, प्रो. गौरी शंकर द्विवेदी, प्रो. देवेन्द्र पाण्डेय, प्रो. भवभूति मिश्र, कुलसचिव रामनरायन, परीक्षा नियंत्रक हरीश चंद एवं उपकुलसचिव अजित प्रताप सिंह उपस्थित रहे। ऑनलाइन माध्यम से प्रो. अशोक सिंह, प्रो. राज मोहन शर्मा, प्रो. माधवी शुक्ला एवं प्रो. रीना सिंह ने बैठक में सहभागिता की।

योगी सरकार में सरकारी जमीन पर 'लेखपालों का खेल' करोड़ों की संपत्ति 12 लाख में बेचने का आरोप

कुशीनगर, (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में भू–माफिया के खिलाफ कार्रवाई और सरकारी जमीनों को कब्जा मुक्त कराने का दावा किया जा रहा है वही जिले के पडरौना तहसील क्षेत्र में सरकारी संपत्ति की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करने वाला मामला सामने आया है। पडरौना–सोहरौना सीमा व कसया–पडरौना मार्ग के किनारे स्थित बेशकीमती बचत, बंजर और सिंचाई विभाग से संबंधित जमीन की कथित पैमाइश कर उसे निजी लोगों के हाथो बेचने का सनसनीखेज मामला प्रकाश मे आया हैं। आरोपों के मुताबिक, करीब करोड़ों रुपये कीमत की जमीन का कथित सौदा महज 12 लाख रुपये में किया गया। सूत्रो की माने तो एक रसूखदार लेखपाल ने अपने दो सहयोगी लेखपालो के साथ सरकारी जमीन की पैमाइश कर प्लॉटधारकों को कब्जा दिलाया है।

ज्ञातव्य हो कि योगी सरकार में सरकारी जमीनों को अवैध कब्जा से मुक्त कराने के लिए प्रशासनिक कार्रवाई पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे मे किसी सरकारी मुलाजिम द्वारा सरकारी भूमि को कथित प्लाटिंग कराने वाले लोगों के हाथो बेचने का मामला, कोई मामूली कब्जा का नही है। महत्वपूर्ण सवाल यह है कि तहसील कार्यालय से महज तीन सौ मीटर कसया–पडरौना मार्ग पर पडरौना–सोहरौना सीमा के इस सरकारी जमीन को निजी लोगों व प्लाटरो के हवाले करने का आदेश किसने दिया? और यदि जमीन पर प्लॉटिंग हुई, तो जिम्मेदार राजस्वकर्मी अब तक जांच के दायरे में क्यों नहीं हैं?विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी जमीन को भू–माफियाओं से बचाने की जिम्मेदारी जिस राजस्व तंत्र पर है, उसी तंत्र के कर्मचारियों पर मोटी रकम लेकर सरकारी जमीन की बंदरबांट में भूमिका निभाने के आरोप, प्रशासनिक व्यवस्था की जवाबदेही पर गंभीर सवाल है। जानकारो का कहना है कि पडरौना–सोहरौना सीमा पर सड़क के किनारे स्थित जमीन की वास्तविक स्थिति जानने के लिए सबसे पहले उसके राजस्व अभिलेखों की जांच जरूरी है। आरोप है कि यहां बचत की भूमि के साथ बंजर और सिंचाई विभाग से संबंधित जमीन पर भी प्लॉटिंग की जा रही है। ऐसे में यह पता लगाना आवश्यक है कि संबंधित भूखंडों का राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज वर्गीकरण क्या है? और मौके पर उनका इस्तेमाल किस रूप में हो रहा है।यदि जमीन सरकारी खाते में दर्ज थी, तो उसे निजी व्यक्तियों को सौंपने के लिए किस सक्षम अधिकारी ने आदेश दिया? क्या भूमि की श्रेणी बदलने की कोई विधिक प्रक्रिया अपनाई गई? क्या सक्षम अधिकारियों से अनुमति ली गई थी? अथवा सिर्फ लेखपालो के पैमाइश और स्थानीय स्तर की कार्रवाई के आधार पर सरकारी जमीन पर निजी लोगों व प्लाटरो का कब्जा स्थापित करा दिया गया? इन सवालों का जवाब संबंधित जमीन की मूल खतौनी, खसरा, नक्शा, भूमि की श्रेणी, नामांतरण आदेश और अन्य राजस्व अभिलेखों से ही स्पष्ट होगा इस लिए इसकी जांच जरूरी है। यदि रिकॉर्ड में सरकारी जमीन दर्ज होने के बावजूद उस पर निजी कब्जा या प्लॉटिंग पाई जाती है, तो यह जांचना प्रशासन की जिम्मेदारी होगी कि इस कृत्य को अंजाम देने वाले लेखपालो के खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई हुई है। पहले पैमाइश, फिर कब्जा, दो लेखपालों की भूमिका पर सवालरू– इस प्रकरण का सबसे अहम पहलू जमीन की कथित पैमाइश और उसके बाद प्लॉटधारकों को सौंपे जाने का आरोप हैं। आरोप है कि रसूखदार लेखपाल के साथ दो अन्य लेखपालों ने पडरौना–सोहरौना सीमा पर स्थित जमीन की पैमाइश की और इसके बाद संबंधित भूखंडों को निजी व प्लाटरो के हाथो बारह लाख रुपये मे बेचकर कब्जा दिला दिया।अब सवाल यह है कि पैमाइश किसके आवेदन आदेश पर हुई? क्या जमीन की श्रेणी और स्वामित्व की जांच की गई थी? क्या संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया था? क्या पैमाइश की रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी गई? और सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि, क्या किसी सक्षम अधिकारी का ऐसा आदेश था, जिसके आधार पर सरकारी जमीन किसी निजी व्यक्ति को सौंपी जा सकती थी?इसलिए यह जांचना जरूरी है कि कथित पैमाइश का इस्तेमाल कहीं सरकारी जमीन पर निजी कब्जे का रास्ता बनाने के लिए तो नहीं किया गया।यदि ऐसा हुआ है, तो केवल मौके पर मौजूद कर्मचारियों की भूमिका ही नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और संबंधित लाभार्थियों की जिम्मेदारी भी संदेह के घेरे में है।

ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क किनारे तथा सिंचाई विभाग के नाले के दोनों तरफ स्थित बेशकीमती जमीन को महज 12 लाख रुपये में दूसरे व्यक्ति को सौंप दिया गया। स्थानीय स्तर पर इस जमीन की कीमत करोड़ों रुपये बताई जा रही है। हालांकि, कथित सौदे की वास्तविक रकम, जमीन का क्षेत्रफल और बाजार मूल्य आधिकारिक जांच से ही प्रमाणित होंगे। यदि सरकारी जमीन को निजी व्यक्ति के पक्ष में अवैध तरीके से हस्तांतरित या कब्जे में दिया गया है, तो मामला सरकारी संपत्ति को नुकसान, राजस्व अभिलेखों की वैधता और संबंधित कर्मचारियों की जवाबदेही जैसे सवाल भी जुड़ेंगे। प्रशासन को यह भी जांचना होगा कि कथित रूप से जमीन हासिल करने वाले व्यक्ति के पास कौन से दस्तावेज हैं, जमीन पर कब्जा किस आधार पर मिला।सिंचाई विभाग की जमीन पर भी गिद्ध दृष्टि, नाले के किनारे प्लॉटिंग की जांच जरूरीरू– मामले में सिंचाई विभाग से संबंधित जमीन और नाले के दोनों तरफ स्थित भूखंडों को लेकर भी आरोप सामने आए हैं। यदि संबंधित जमीन वास्तव में विभागीय संपत्ति है, तो उसकी सीमा, स्वामित्व और वर्तमान उपयोग की अलग से जांच की जानी चाहिए। ताकि यह पता लगाया जा सके कि संबंधित जमीन सिंचाई विभाग के अभिलेखों में किस रूप में दर्ज है, क्या उसकी पैमाइश विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में हुई और क्या किसी निजी व्यक्ति को वहां कब्जा या निर्माण करने की अनुमति दी गई थी।यदि विभागीय भूमि पर बिना वैधानिक अनुमति कब्जा या प्लॉटिंग की पुष्टि होती है, तो संबंधित विभाग और राजस्व अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आनना स्वभाविक है। विधि विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे के खिलाफ कार्रवाई तभी प्रभावी मानी जाएगी, जब नियमों का उल्लंघन करने वालों की जवाबदेही तय हो। पडरौना–सोहरौना सीमा अन्तर्गत सरकारी भूमि को लेखपालो द्वारा बेचने व कब्जा दिलाने का यह मामला प्रशासन के सामने यक्ष प्रश्न बना है। ऐसे मे सरकारी जमीन की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों पर लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच कब होगी। विशेषज्ञों के कहा कि जिलाधिकारी को चाहिए कि संबंधित भूमि की पैमाइश राजस्व और सिंचाई विभाग के सक्षम अधिकारियों की संयुक्त टीम से कराये। जमीन की मूल खतौनी, खसरा, नक्शा , भूमि की श्रेणी, पैमाइश रिपोर्ट, कथित हस्तांतरण से जुड़े दस्तावेज और मौके पर मौजूद कब्जे का सत्यापन कराकर यह भी स्पष्ट किया जाए कि किस सक्षम अधिकारी के आदेश पर इस कृत्य को अंजाम दिया गया है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, दो सौ मीटर तक घिसटती रही बाइक

बछरावां,रायबरेली। थाना क्षेत्र के अंतर्गत बछरावां–मौरावां हाईवे पर महारानी खेड़ा मजरे शेखपुर समोधा के निकट ट्रक की टक्कर से बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक बाइक समेत ट्रक के नीचे जा गिरा। ट्रक उसे रौंदते हुए आगे बढ़ गया और बाइक करीब दो सौ मीटर तक घिसटती चली गई। विदित हो कि मेहरवान खेड़ा मजरे शेखपुर समोधा निवासी सूरज उम्र 25 वर्ष पुत्र अमरलाल बाइक से बछरावां जा रहा था। इसी दौरान हाईवे पर ट्रक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वह बाइक समेत ट्रक के नीचे आ गया और पहियों की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि सूरज का विवाह महज छह माह पहले ही हुआ था। नवविवाहिता पत्नी और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। इस बाबत थानाध्यक्ष श्याम कुमार पाल ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मामले में विधिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रेम प्रसंग में किशोरी की हत्या पांच दिन बाद मिला कंकाल

रायबरेली। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के दतौली गांव के पास नहर और रेल कोच यार्ड के बीच देर रात किशोरी का कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। कंकाल की पहचान साकेत नगर मजरे आलमपुर निवासी राजेश कुमार सोनी की 16 वर्षीय बेटी रूची के रूप में हुई है। किशोरी की मां गीता ने 16 अक्टूबर को थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने मामले की जांच के दौरान उसके प्रेमी रौनक यादव को हिरासत में लिया। उसकी निशानदेही पर कंकाल बरामद किया गया।पुलिस के मुताबिक, आरोपी रौनक यादव पुत्र राजदेव यादव पूरे नया मजरे मटेहना का रहने वाला है। पूछताछ में उसने किशोरी की हत्या करने की बात स्वीकार की है। आरोपी ने बताया कि रूची से उसकी जान–पहचान बैसवारा इंटर कॉलेज में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों एक ही कॉलेज में पढ़ते थे और मोबाइल पर बातचीत करते थे। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए थे।आरोपी के मुताबिक, बाद में किशोरी की दूसरे लड़कों से भी बातचीत होने लगी थी। इसकी जानकारी होने पर वह नाराज हो गया। 16 अक्टूबर को वह किशोरी को मोटरसाइकिल से बैठाकर पहले बालेश्वर मंदिर ले गया। इसके बाद रेलवे यार्ड के पास ले जाकर चाकू से हमला किया और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को वहीं छोड़कर चला गया। कई दिनों तक शव खुले में पड़े रहने के कारण सड़–गलकर कंकाल में तब्दील हो गया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर कंकाल बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

पीईटी परीक्षा में 6344 अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

रायबरेली। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) शुक्रवार को जिले के 24 केंद्रों पर दो पालियों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा में पंजीकृत 19,488 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 13,144 अभ्यर्थी शामिल हुए, जबकि 6,344 ने परीक्षा छोड़ दी। परीक्षा की शुचिता और व्यवस्थाओं को परखने के लिए जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।डीएम और एसपी ने फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज, रेयान इंटरनेशनल स्कूल, राजकीय इंटर कॉलेज सहित कई परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने परीक्षार्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी भी की।प्रथम पाली में 9,744 पंजीकृत अभ्यर्थियों के सापेक्ष 6,622 उपस्थित रहे, जबकि 3,122 अनुपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में 9,744 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 6,522 ने परीक्षा दी और 3,222 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।दोनों पालियों में कुल 19,488 अभ्यर्थियों में से 13,144 परीक्षा में शामिल हुए।

कोर्ट में मुकदमा, डीएम के दरबार में शिकायत, तथ्यों पर पर्दा डालकर प्रशासन को गुमराह करने की कोशिश?

कुशीनगर, (आरएनएस)। चित्रगुप्त मंदिर मे देवाधिदेव महादेव के शिवलिंग स्थापना का विरोध करने वाले व चित्रगुप्त मंदिर मे अवैध कब्जा कर व्यवसायिक प्रतिष्ठान का निर्माण करने की योजना बनाने वाले स्वयंसेवी संगठनो के कुछ लोगो द्वारा मंदिर की व्यवस्था संभाल रहे ट्रस्ट के पीठाधीश्वर के खिलाफ जिलाधिकारी से की गयी शिकायत के बाद मंदिर पर जांच करने पहुंचे तहसीलदार व राजस्व टीम ने मौके का पुरा निरीक्षण किया, दोनो पक्षों से पूछताछ की और बयान दर्ज किया। इस दौरान जब ट्रस्ट के महासचिव ने मंदिर को लेकर चल रहे मुकदमे के संबध मे अवगत कराया तो तहसीलदार ने कहा कि शिकायतकर्ता ने अपने शिकायतपत्र मे न तो मुकदमे का उल्लेख किया है और न ही इसकी जानकारी दी है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि शिकायतकर्ता ने न्यायालय में लंबित विवाद की जानकारी क्यो छिपाई? और प्रशासन गुमराह क्यो किया? बताते चलें कि चित्रगुप्त मंदिर के प्रबंधन, अधिकार और कथित अनधिकृत हस्तक्षेप को लेकर मंदिर पक्ष के चित्रगुप्त मंदिर समिति ट्रस्ट ने भगवान चित्रगुप्त से मिलता–जुलता नाम से बना स्वयंसेवी संगठन श्री श्री चित्रगुप्त समिति व उनके पदाधिकारियों (जिन्होंने डीएम से शिकायत की है) के विरुद्ध पहले ही सिविल कोर्ट जूनियर डिवीजन में मुकदमा दाखिल कर रखा है। ट्रस्ट का कहना है कि स्वयंसेवी संस्था से जुड़े कुछ लोग भीटा के जमीन पर स्थापित मंदिर पर अवैध व अनधिकृत अधिकार जताने, व्यावसायिक प्रतिष्ठान का निर्माण कराने और मंदिर की व्यवस्था में जबरिया हस्तक्षेप करने का प्रयास कर रहे थे, मना करने पर मारपीट व बवाल करने के लिए आमादा रहते थे। इसी विवाद को लेकर ट्रस्ट ने न्यायालय की शरण ली है। मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद शिकायतकर्ता पक्ष की ओर से जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मंदिर की व्यवस्था और ट्रस्ट के पीठाधीश्वर के खिलाफ शिकायत करना कई सवाल खड़े कर रहा है।इनसेट–– जब कोर्ट में मुकदमा, तो फिर प्रशासन से शिकायत का औचित्य क्या?रू– सबसे अहम सवाल यह है कि जब मंदिर के प्रबंधन और अधिकार को लेकर न्यायालय में विधिक लड़ाई पहले से चल रही है, तो स्वयंसेवी संस्था श्री श्री चित्रगुप्त समिति के अध्यक्ष अतुल श्रीवास्तव व मंत्री प्रमोद श्रीवास्तव ने जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में मुकदमे की स्थिति का उल्लेख क्यो नही किया? इसके पीछे वजह क्या थी? क्या प्रशासन को पूरे विवाद की जानकारी दिए बिना एकपक्षीय कार्रवाई की अपेक्षा तो नही की जा रही थी? आखिर स्वयंसेवी संस्था की ओर न्यायालय में अपना पक्ष रखने के बजाय प्रशासन को गुमराह कर विवाद को नया मोड़ देने की कोशिश क्यों की गई?

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 01 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किश्त जारी

चित्रकूट। भारत सरकार के .षि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को प्रातः 10 बजे बनासकांठा गुजरात से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त का हस्तांतरण किया गया। इस अवसर पर देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 18,680 करोड़ से अधिक की सम्मान राशि हस्तांतरित की गई। साथ ही .षि अवसंरचना कोष के अंतर्गत विकसित 521 इकाइयों को राष्ट्र को समर्पित किया गया तथा 12 हॉर्टिकल्चर क्लस्टर्स का शुभारंभ किया गया।कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के दौरान देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक चित्रकूट–बांदा के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख पहाड़ी सुशील द्विवेदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल ने की। इस अवसर पर .षि उपनिदेशक जीतलाल गुप्ता, भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. आलोक पाण्डेय, शिवाकांत द्विवेदी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के अंतर्गत जनपद चित्रकूट के कुल 1,22,948 पात्र .षक लाभार्थियों के बैंक खातों में दो हजार रुपए प्रति लाभार्थी की दर से कुल 24 करोड़ 58 लाख 96 हजार की धनराशि हस्तांतरित की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है। केंद्र सरकार द्वारा किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि तथा .षि क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास सराहनीय हैं।

ग्रामोदय विवि के कनिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी को दी गई विदाई

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय में कला संकाय के पदस्थ कनिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी विजय सिंह की अधिवार्षिकी सेवा पूर्ण होने पर रजत जयंती भवन में भावपूर्ण सेवानिवृत्ति विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने की। उन्होंने अपने संबोधन में विजय सिंह के व्यक्तित्व, कार्य कुशलता, अनुशासन तथा विश्वविद्यालय के प्रति समर्पण को याद किया। कुलगुरु ने कहा कि श्री सिंह ने अपनी सेवा अवधि के दौरान संस्था के विकास एवं कुशल संचालन में सराहनीय योगदान दिया है। समारोह में सेवानिवृत्त अधिकारी को शाल, श्रीफल, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सहयोगियों ने उनके साथ बिताए अनुभवों को याद करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इसी अवसर पर विज्ञान एवं पर्यावरण संकाय के प्राध्यापक डॉ. घनश्याम गुप्ता को भी सम्मानित किया गया। 65 वर्षीय डॉ. गुप्ता ने सतना मैराथन दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। कुलगुरु प्रो. आलोक चौबे ने उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की और उनकी अनुशासित दिनचर्या एवं स्वस्थ जीवनशैली की सराहना की। उन्हें भी सम्मान भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं।

जेआरएचआरयू के नवनियुक्त कुलपति प्रो आर एन त्रिपाठी ने संभाला कार्यभार

चित्रकूट। जगद्गुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति प्रो राम नारायण त्रिपाठी ने आधिकारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित समारोह के दौरान उन्होंने कार्यभार संभाला।इस अवसर पर कुलाधिपति के निजी सचिव रमापति मिश्र, कुलसचिव मधुरेन्द्र पर्वत तथा वित्त अधिकारी रमेश कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। पदभार ग्रहण करने के उपरांत विवि सभी संकायाध्यक्षों, कुलपति के विशेष कार्य अधिकारी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कुलपति से शिष्टाचार भेंट की और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवनियुक्त कुलपति ने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक अधिकारियों के साथ एक परिचयात्मक बैठक की। उन्होंने विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने, दिव्यांग छात्र–छात्राओं के कल्याण तथा उच्च शिक्षा के स्तर को और अधिक सुढ़ व सुलभ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10.78 लाख के पटाखों के साथ एक गिरफ्तार

मऊ। दीपावली के मद्देनजर अवैध पटाखों के भंडारण और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में कोतवाली नगर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने गुरुवार को मुसरदह मोड़ के पास एक आवासीय मकान में छिपाकर रखे गए 18 बड़े गत्तों में भरे करीब 768 किलोग्राम पटाखे बरामद किए। बरामद पटाखों की अनुमानित कीमत 10 लाख 78 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आगामी दीपावली त्योहार को देखते हुए अवैध रूप से पटाखों के भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को मुखबिर से मुसरदह मोड़ के पास एक मकान में पटाखे छिपाकर रखे जाने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने छापेमारी की। तलाशी के दौरान मकान से तेज आवाज वाले बम और पटाखों से भरे 18 बडेध गत्ते बरामद हुए। मौके से गिरफ्तार युवक की पहचान दीपक कुमार (22) पुत्र सुरेंद्र प्रसाद, निवासी मुसरदह, थाना कोतवाली नगर के रूप में हुई। पुलिस ने बरामद पटाखों को कब्जे में लेकर आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्र0नि0 प्रमेन्द्र कुमार सिंह, उ.नि.राजेश कुमार चौकी प्रभारी भीटी, का0 सत्येन्द्र यादव, का0 अमरेश सिंह, का0 ऋषिकेश, का0 अवनीश यादव षामिल रहे।

दिल्ली महारैली से लोकतंत्र बचाने का बिगुल फूंकेगी कांग्रेस- हरिश्चंद्र

मधुबन, मऊ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर आगामी 01 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली ऐतिहासिक महारैली को लेकर गुरुवार की देर शाम ब्लाक कांग्रेस कमेटी फतहपुर मंडाव कार्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध यक्ष हरिश्चंद्र यादव ने विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार लोकतंत्र और संविधान को लगातार कमजोर कर रही है। सरकार तानाशाही रवैये से विपक्ष की आवाज को दबाने का काम कर रही है। देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है, किसान परेशान है, युवा रोजगार के लिए भटक रहा है, लेकिन सरकार गंभीर नहीं है। श्री यादव ने कहा कि कांग्रेस प्रतिपक्ष नेता व सांसद राहुल गांधी के आह्वान पर संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह महारैली आयोजित की जा रही है। यह केवल रैली नहीं, बल्कि लोकतंत्र बचाने का महा आंदोलन है। जिले से पार्टी कार्यकर्ता दिल्ली जाएंगे, इसके लिए सभी ब्लाकों में जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं।

टीचर्स सेल्फ केयर टीम ने तीन बेटियों की शादी के लिए दिया 51-51 हजार का सहयोग

मधुबन, मऊ। दीपावली से पहले जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए टीचर्स सेल्फ केयर टीम की जिला इकाई ने सराहनीय पहल की। टीम ने तीन बेटियों की शादी के लिए 51–51 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। घोसी स्थित नरोखर पोखरा पर आयोजित कार्यक्रम में फतहपुर मंडाव ब्लाक की सदस्य पाना यादव, मुहम्मदाबाद गोहना की सदस्य कौशिल्या भारती और सैयद नैय्यर आजम को सहायता राशि के चेक सौंपे गए। यह सहायता टीम द्वारा संचालित कन्यादान योजना के तहत दी गई। योजना के अंतर्गत सदस्यों से प्रति कन्या एक–एक रुपये का सहयोग लेकर जरूरतमंद परिवारों को 51 हजार रुपये की मदद उपलब्ध कराई जाती है। चेक प्राप्त करने वाले लाभार्थियों ने टीम और प्रदेश अध्यक्ष विवेकानंद आर्य के प्रति आभार जताया। टीम ने बताया कि पिछले छह वर्षों से सेवाकाल के दौरान किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भी आर्थिक सहयोग किया जा रहा है। इसके तहत सदस्यों से मात्र 15 रुपये का योगदान लेकर लगभग 50 लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है। इस अवसर पर जिला प्रवक्ता तारकेश्वर पांडेय, जिला कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, रामबिलास चौहान, रमाकांत, अरुण यादव, लोकनाथ मौर्य सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

चक्रवाती तूफान अर्नब का असर शुरू, बारिश से किसानों की उड़ी नींद

मधुबन, मऊ। बंगाल की खाडी से उठे चक्रवाती तूफान अर्नब का व्यापक असर अब मधुबन तहसील क्षेत्र में साफ दिखने लगा है। मौसम विभाग द्वारा 28 से 31 अक्टूबर तक जारी भारी बारिश और आंधी के अलर्ट के बीच, शुक्रवार से क्षेत्र में धीमी और तेज बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। इसके साथ ही 12 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चलनी शुरू हो गई हैं जिसने किसानों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। मौसम में आए इस अचानक बदलाव से तापमान लुढ़ककर 21 से 22 डिग्री सेल्सियस पर आ गया है, ।

जिला पोषण समिति की बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा

चित्रकूट। सीडीओ डीपी पाल की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में संचालित बाल विकास एवं पोषण विभाग की योजनाओं, आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण एवं आधारभूत सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी अरुण कुमार पाण्डेय ने बताया कि जनपद में आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण, मरम्मत एवं आधारभूत सुविधाओं के विकास के कार्य प्राथमिकता पर कराए जा रहे हैं। उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रगति एवं निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया। सीडीओ ने निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण निर्माण कार्यों को एक सप्ताह के भीतर अनिवार्य रूप से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने बीएसए को निर्देशित किया कि प्रीप्राइमरी शिक्षा के प्रभावी संचालन के उद्देश्य से वर्तमान में निजी भवनों में संचालित समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों को प्राथमिक अथवा उच्च प्राथमिक विद्यालयों में संचालित कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। बैठक में साडा सहित समस्त कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया कि निर्माण एवं मरम्मत संबंधी कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराए जाएं। सीडीओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करते हुए कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएमओ डॉ. महेंद्र कुमार त्रिपाठी, जिला पंचायत राज अधिकारी देवेंद्र सिंह सहित समस्त खंड विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविकाएं तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कल्याण भारती इंटर कालेज में साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भविष्य में सबसे ज्यादा अपराध मोबाइल और कंप्यूटर से होंगे : पीयूष कांत राय

चित्रकूट। कल्याण भारती इंटर कॉलेज कर्वी में साइबर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक पीयूष कांत राय ने छात्र–छात्राओं को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि भविष्य में सबसे ज्यादा अपराध मोबाइल और कंप्यूटर के माध्यम से होंगे, इसलिए सभी बच्चों को अभी से जागरूक रहने की जरूरत है। मोबाइल का प्रयोग सावधानी से करें, अनजान व्यक्तियों से बातचीत और संपर्क न करें।

अपर पुलिस अधीक्षक ने महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों – 112, 1090 (वूमेन पावर लाइन), 1930 (साइबर क्राइम), 108 और 102 के बारे में जानकारी दी और कहा कि हर व्यक्ति को इन नंबरों की जानकारी होनी चाहिए। किसी भी घटना–दुर्घटना होने पर इन हेल्पलाइन नंबरों पर सूचना देकर पुलिस सहायता ली जा सकती है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि मोबाइल का प्रयोग केवल पढ़ाई और ज्ञानवर्धन के लिए करें, इसका दुरुपयोग न करें। बेहतर होगा कि मोबाइल का कम से कम प्रयोग कर ज्यादा से ज्यादा पुस्तकों का अध्ययन कर अपने ज्ञान को बढ़ाएं। प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि अपर पुलिस अधीक्षक का स्वागत किया। छात्रा शिवानी देवी, दिव्या पाल, सुचेता नामदेव, प्रेम शिखा, प्रिया देवी, अंबिका देवी को संतोषजनक उत्तर देने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रबंधक जागेश्वर राजपूत , सभासद शंकर प्रसाद यादव,प्रधानाचार्य कल्पना राजपूत, शिक्षक कमलेश कुमार सूबेदिता जायसवाल धीरेंद्र कुमार सुहानी पांडे कल्पना मिश्रा रमेश कुमार श्रवण कुमार रितु देवी लक्ष्मी देवी विकास कुमार आदि मौजूद रहे।

फसल बीमा का लाभ लेने को टोल फ्री नंबर पर दर्ज कराएं शिकायत

चित्रकूट। उप कृषि निदेशक जेएल गुप्ता ने जनपद के सिकानों से अपील की है कि खरीफ 2026 में मौसम की स्थिति खराब जैसे बेमौसम बारिश ओलावृष्टि, जलभराव, जल प्लावन, भूस्खलन, बादल फटना तथा आकाशीय बिजली से प्रा.तिक आग जैसी अधिसूचित घटनाये होने की सम्भावना है। इस स्थिति में यदि क्षेत्र में खेत में कटी पड़ी फसलों को बेमौसम बारिश ओलावृष्टि से नुकसान पहुँचता है तो प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत जिन किसानो का खरीफ 2026 अंतर्गत फसलों का बीमा है और उनकी फसल को नुकसान हुआ है केवल वही किसान व्यक्तिगत स्तर पर योजना के नियमानुसार आपदा घटित होने के 72 घंटे के अंदर भारत सरकार के टोल फ्री नंबर 14447 पर कॉल करके अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

जल जीवन मिशन के कार्यों में तेजी लाएं, लापरवाही पर होगी कार्रवाई- मुख्य विकास अधिकारी

मऊ। मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने अधिशासी अभियंता, जल निगम को निर्देशित किया कि जनपद की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में सुधार के लिए सभी कार्यों को निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अधिशासी अभियंता, जल निगम ने अवगत कराया कि जनपद में तीन एजेंसियों द्वारा हर घर जल योजना के अंतर्गत कार्य कराया जा रहा है। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि तीनों एजेंसियों से उनके द्वारा कराए जा रहे कार्यों को पूर्ण करने की निर्धारित समयसीमा के संबंध में लिखित पत्र प्राप्त किया जाए। साथ ही, ऐसे स्थानों का चिन्हांकन कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, जहां योजना के अंतर्गत अभी तक पानी नहीं पहुंच रहा है। उन्होंने एजेंसियों द्वारा कराए जा रहे कार्यों का स्थलीय सत्यापन कर उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी कार्यदायी एजेंसियों को मैनपावर बढ़ाकर कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरएन सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष उपाध्याय, अधिशासी अभियंता जल निगम रामेश्वर दयाल, सहायक अभियंता जितेंद्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी एवं सभी कार्यदायी एजेंसियों के प्रोजेक्ट मैनेजर उपस्थित रहे।

आगामी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के दृष्टिगत समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग ने की समीक्षा बैठक

– ब्लॉक प्रमुखों, जिला पंचायत सदस्यों एवं ग्राम पंचायत स्तर के जनप्रतिनिधियों से किया गया संवाद

मऊ। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के दृष्टिगत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण की स्थिति का तथ्यपरक आकलन करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा जनपद में जमीनी स्तर पर स्थिति की पड़ताल की गई। इस क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आयोग के सदस्यगण बृजेश कुमार, संतोष कुमार विश्वकर्मा, एसपी सिंह व ओएसडी डॉ मो. असलम अंसारी उपस्थित रहें। बैठक में जनपद की पंचायतों एवं स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग की सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति, निर्वाचित प्रतिनिधियों के रूप में उनकी भागीदारी, वर्तमान प्रतिनिधित्व तथा आरक्षण व्यवस्था से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक विचार–विमर्श किया गया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया ने आयोग के समक्ष जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन से संबंधित आवश्यक जानकारियां प्रस्तुत कीं। अधिकारियों ने पंचायतों एवं स्थानीय निकायों में अन्य पिछड़ा वर्ग के वर्तमान प्रतिनिधित्व तथा उपलब्ध अभिलेखों और तथ्यों के संबंध में आयोग को अवगत कराया। इस दौरान आगामी पंचायत चुनावों के दृष्टिगत आरक्षण व्यवस्था, निर्धारित आरक्षण प्रतिशत तथा नियमानुसार आरक्षण लागू किए जाने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। आयोग द्वारा इस बात पर बल दिया गया कि अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व एवं आरक्षण से संबंधित आकलन के लिए प्रासंगिक तथ्यों, स्थानीय परिस्थितियों और संबंधित साक्ष्यों का समुचित अध्ययन किया जाना आवश्यक है, ताकि जनपद में पिछड़े वर्ग की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक स्थिति को बेहतर ढंग से समझा जा सके। बैठक में पंचायतों में ओबीसी वर्ग की भागीदारी से जुडेध विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया कि आकलन की प्रक्रिया में स्थानीय परिस्थितियों एवं उपलब्ध साक्ष्यों को उचित महत्व दिया जाए। इस दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत विचारों एवं सुझावों को प्रश्नोत्तरी के माध्यम से लिखित रूप में भी संकलित किया गया। इस प्रकार बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों से प्राप्त जानकारियों तथा विभिन्न स्तरों के जनप्रतिनिधियों के विचारों एवं सुझावों को एकत्र कर अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधित्व की स्थिति का तथ्यपरक आकलन करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। बैठक में उपायुक्त श्रम एवं रोजगार राजीव कुमार, जिला विकास अधिकारी सुभाष चंद्र सरोज, जिला पंचायत राज अधिकारी किरण वर्मा, जनपद के विभिन्न ब्लॉक प्रमुखगण, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, वार्ड सदस्य तथा संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सीडीओ ने जनगणना के दूसरे चरण के प्रशिक्षण का किया निरीक्षण

-प्रगणको, सुपरवाइजरो को दिए आवश्यक निर्देश

चित्रकूट। मुख्य विकास अधिकारी अपर प्रमुख जनगणना अधिकारी डीपी पाल द्वारा तहसील कर्वी में जनगणना 2027 के द्वितीय चरण के अंतर्गत चल रहे प्रशिक्षण स्थल सुषमा स्वरूप इंटरनेशनल स्कूल का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षुओं को जनसंख्या गणना से संबंधित कार्यों, सर्वेक्षण की प्रक्रिया तथा सही एवं सटीक आंकड़ों के संकलन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने स्वगणना के महत्व पर विशेष जोर देते हुए अधिक से अधिक परिवारों को स्वगणना के प्रति जागरूक करने एवं इसके लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षुओं को जनगणना के दौरान प्रत्येक परिवार से संपर्क स्थापित करने, निर्धारित प्रश्नों के अनुसार सही जानकारी प्राप्त करने तथा उसे मोबाइल एप्लीकेशन में सावधानीपूर्वक दर्ज करने की प्रक्रिया को गंभीरता से समझने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनगणना देश के विकास एवं भविष्य की योजनाओं के निर्माण का एक महत्वपूर्ण आधार है इसलिए इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी, निष्पक्षता एवं संवेदनशीलता के साथ संपन्न किया जाना आवश्यक है। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने तथा प्रशिक्षुओं की शंकाओं का समाधान सुनिश्चित करने पर भी बल दिया। अंत में उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं प्रशिक्षुओं से जनगणना कार्य को शुद्धता, पारदर्शिता एवं गोपनीयता के साथ संपन्न करते हुए शत प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने की अपेक्षा की।

सेवा भारती ने बान तालाब के सुंदरीकरण की उठाई मांग

चित्रकूट। सेवा भारती द्वारा उप जिलाधिकारी अजय यादव को प्रार्थना पत्र देकर शिवरामपुर रोड सीतापुर मे स्थित बान तालाब का सीमांकन कराते हुए अन्य तालाबों की तरह इसका भी सुंदरीकरण करके सरोवर का स्वरूप दिए जाने की मांग की है। अवगत कराया गया कि इस तालाब में प्रा.तिक जल स्रोत है। जिसका पानी कभी भी नहीं सूखता। यह कभी बहुत विशाल तालाब हुआ करता था जो अतिक्रमण के कारण अब सिमट कर छोटा होता जा रहा है। भीषण गर्मी में पशु पक्षियों एवं लोगों को इसका लाभ अनवरत मिलता रहे इसके लिए संरक्षित करना बेहद जरूरी है। सरकार अनेकों प्रकार की योजनाएं जल संरक्षण के लिए चला रही है। कहा कि कई बार इस संबंध में अवगत कराया चुका है, लेकिन महज सफाई कार्य कराया जाता है। अगर इस बार भी तालाब का सीमांकन साफ सफाई आदि कार्यवाही नहीं होती तो जन आंदोलन किया जाएगा। इसके अलावा सेवा भारती द्वारा रानीपुरभट्ट में बने सरोवर किनारे विशाल चबूतरे पर पेड़ पौधे एवं पीने के पानी की व्यवस्था भी कराई गई है। जिससे वहां पैदल चलकर आने जाने वाले यात्रियों को बैठकर सुकून मिलता है। बस इसी सोंच की पुनरावृत्ति किए जाने के लिए संकल्पित सेवा भारती की मुहिम है बान तालाब का सीमांकन कराना। प्रकरण में उप जिलाधिकारी अजय यादव द्वारा कहा गया है कि इसे प्राथमिकता में लेते हुए अतिशीघ्र कार्यवाही की जाएगी।

डीएम ने की जल जीवन मिशन के कार्यों की समीक्षा

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। इस मौके पर उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण, विद्युत विभाग, कार्यदायी फर्मों, आईएसए एजेंसियों एवं टीपीआई के प्रतिनिधि मौजूदद रहे। समीक्षा के दौरान अवगत कराया गया कि जनपद में कुल 414 ग्रामों के सापेक्ष 355 ग्रामों में नियमित जलापूर्ति, 371 ग्रामों में रोड रेस्टोरेशन तथा 247 ग्रामों में हर घर जल प्रमाणीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। डीएम ने एलएंडटी, जीवीपीआर एवं रेट्रोफिटिंग परियोजनाओं की कार्यदायी फर्मों को पाइप लाइन, हाउस कनेक्शन, स्काडा ऑटोमेशन, नियमित जलापूर्ति एवं हर घर जल प्रमाणीकरण के अवशेष कार्य निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही रोड रेस्टोरेशन अभियान के अंतर्गत अवशेष क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों, सीएचसी, पीएचसी, पुलिस थानों एवं पंचायत भवनों में अवशेष हाउस कनेक्शन पूर्ण कर पेयजल आपूर्ति प्रारंभ कराने तथा चांदी बंगार ग्राम समूह पेयजल योजना के सीडब्ल्यूआर पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। ग्रामीण पेयजल संबंधी समस्याओं एवं जानकारी के लिए जल सारथी ऐप तथा जल जीवन मिशन की वेबसाइट का उपयोग कर सकते हैं।

शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था सु.ढ़ बनाए रखने पुलिस ने किया पैदल गश्त

चित्रकूट। आगामी त्योहारों के .ष्टिगत पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में क्षेत्राधिकारियों के नेतृत्व में जनपद के समस्त थाना, चौकी प्रभारियों द्वारा अपने क्षेत्र के मिश्रित आबादी वाले क्षेत्रों एवं भीड़ वाले स्थानों पर पैदल गश्त किया। इस दौरान पुलिस टीमों द्वारा दुकानदारों, व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया गया। इसके अतिरिक्त सड़क पर हो रहे अतिक्रमण, शराब की दुकानों, रेलवे स्टेशनों, होटल, ढाबों तथा वाहनों की चेकिंग की गई। संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच कर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई।

89 क्वार्टर देशी शराब बरामद, पांच गिरतार

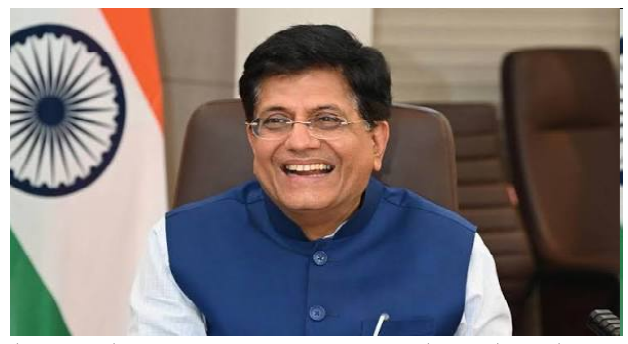
चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री की रोकथाम को चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस ने पांच आरोपियों को 89 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरतार किया है। मऊ थाना के एसआई रामअधार सिंह ने टीम के साथ राजकुमार रैदास पुत्र स्व नत्थू रैदास निवासी बंदई मजरा तितौली को 20 क्वार्टर देशी शराब, सरधुवा थाना के एसआई अनन्त कुमार तिवारी ने टीम के साथ छोटेलाल पुत्र स्वामीदीन निवासी रैपुरवा को 18 क्वार्टर देशी शराब, बरगढ़ थाना के एसआई रमेश सिह यादव ने टीम के साथ केशरी प्रसाद कोल उर्फ देवमनि कोल पुत्र गोकुल प्रसाद कोल निवासी खारा थाना पनवार रीवा मप्र को 20 क्वार्टर देशी शराब, कोतवाली कर्वी के एसआई राजेश कुमार ने टीम के साथ संतराम पुत्र शिवरतन निवासी गोलतालाब को 12 क्वार्टर देशी शराब, भरतकूप थाना के एसआई अतेन्द्र कुमार चौहान ने टीम के साथ महेन्द्र कुमार उर्फ जीतू गुप्ता पुत्र रामकिशोर गुप्ता निवासी गोडा को 19 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरतार किया है।

दिवाली से पहले सोने-चांदी की कीमतें धड़ाम, गोल्ड 0.59 प्रतिशत टूटा तो सिल्वर 3,700 रुपए गिरी

नई दिल्ली । त्योहारी सीजन के बीच सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में कीमती धातुओं पर दबाव देखने को मिला। अमेरिका में महंगाई के अपेक्षा से अधिक रहने, फेडरल रिजर्व के दिसंबर में ब्याज दर बढ़ाने की संभावनाओं और ऊंची बॉन्ड यील्ड के चलते एमसीएक्स पर गोल्ड और सिल्वर में 3,000 रुपए तक की गिरावट दर्ज की गई। इसका फायदा फिलहाल ध ानतेरस और दिवाली से पहले खरीदारी की तैयारी कर रहे उपभोक्ताओं को मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स में सोना करीब 0.28 प्रतिशत गिरकर 4,020 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता दिखा, जबकि चांदी 1.20 प्रतिशत टूटकर 51. 750 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी कोर पीसीई महंगाई सितंबर में 0.3 प्रतिशत बढ़ी, जबकि वार्षिक दर 3.1 प्रतिशत पर पहुंच गई। इसके साथ ही तीसरी तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था की 3.4 प्रतिशत वृद्धि ने यह संकेत दिया है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रख सकता है। बाजार अब दिसंबर में फेड की ओर से दर बढ़ोतरी की संभावना 80 प्रतिशत से अधिक मान रहा है, जिससे गैर–ब्याज देने वाली संपत्तियों जैसे सोने पर दबाव बना हुआ है। वहीं, वैश्विक कमजोरी का असर भारतीय बाजार पर भी दिखाई दिया। घरेलू बाजार में सोना गिरकर 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 1.86 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार करती दिखाई दी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना अपने पिछले बंद भाव 1,42,596 से 800 रुपए से ज्यादा या 0.59 प्रतिशत टूटकर 1,41,753 रुपए प्रति 10 ग्राम के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी में और बड़ी गिरावट दर्ज की गई और यह अपने पिछले बंद भाव 1,89,453 रुपए से 3,730 रुपए या 1.96 प्रतिशत गिरकर 1,85,723 रुपए प्रति किलोग्राम के दिन के निचले स्तर पर आ गया।तकनीकी विश्लेषकों के मुताबिक सोना फिलहाल 1.40 लाख रुपए से 1.41 लाख रुपए के महत्वपूर्ण सपोर्ट जोन के करीब है। यदि यह स्तर टूटता है तो कीमतें 1.37 लाख रुपए से 1.38 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक फिसल सकती हैं। वहीं चांदी के लिए 1.83 लाख रुपए से 1.85 लाख रुपए प्रति किलोग्राम अगला प्रमुख सपोर्ट माना जा रहा है।लगातार गिरावट के बाद चांदी अब अपने लाइफ टाइम हाई लेवल से आधे से भी कम भाव पर आ गई है। बता दें कि इस वर्ष जनवरी के आखिरी सप्ताह में सिल्वर ने सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए 4 लाख रुपए का ऐतिहासिक स्तर पार किया था और 4,20,048 रुपए का हाई लेवल टच किया था, लेकिन इसके बाद इसमें लगातार गिरावट आई, और अब चांदी अपने उच्चतम स्तर से आधे से बी कम कीमत पर मिल रही है।यही वजह है कि बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों और त्योहारी खरीदारी करने वाले उपभोक्ताओं के लिए मौजूदा स्तर आकर्षक हो सकते हैं। हालांकि अल्पकाल में फेडरल रिजर्व की नीति, डॉलर इंडेक्स, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की दिशा तय करेंगी।इस बीच कच्चे तेल की कीमतें भी चर्चा में हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, ईरान से जुड़े घटनाक्रम और आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के चलते तेल बाजार में अस्थिरता बनी हुई है। ऊंचे तेल दाम महंगाई को बढ़ा सकते हैं, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं। यही कारण है कि निवेशक सोने–चांदी में फिलहाल सतर्क बने हुए हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अब सबकी नजरें फेड की 8–9 दिसंबर की बैठक और महंगाई तथा रोजगार से जुड़े अगले आंकड़ों पर टिकी हैं।

भारत के एफटीए से वैश्विक जीडीपी के 76 प्रतिशत बाजार तक पहुंच, निर्यात को मिलेगा बड़ा बढ़ावा पीयूष गोयल

नई दिल्ली,। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत के मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के कारण देश को अब लगभग 115 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक अर्थव्यवस्था के 76 प्रतिशत हिस्से तक वरीयता प्राप्त बाजार पहुंच मिल रही है। उन्होंने बताया कि भारत वर्तमान में आठ अन्य द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार समझौतों पर भी बातचीत कर रहा है, जिनके जुड़ने से लगभग 15 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था तक पहुंच मिल सकती है। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित इनवेस्ट तेलंगाना ग्लोबल समिट के कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गोयल ने ए. रेवंत रेड्डी को बधाई देते हुए कहा कि तेलंगाना का 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य सामूहिक प्रयासों से हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार, उद्योग जगत, निवेशकों और नागरिकों की साझी भागीदारी इस लक्ष्य को साकार कर सकती है। गोयल ने बताया कि भारत के मौजूदा व्यापार समझौतों ने देश को 70 ट्रिलियन डॉलर की वैश्विक जीडीपी वाले बाजारों तक वरीयता प्राप्त पहुंच प्रदान की है। इनमें से लगभग 10 ट्रिलियन डॉलर की पहुंच पुराने समझौतों से मिली, जबकि हाल के वर्षों में संपन्न नौ नए व्यापार समझौतों के जरिए 60 ट्रिलियन डॉलर की अतिरिक्त बाजार पहुंच प्राप्त हुई है।उन्होंने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दुनिया में व्यापार वृद्धि दर केवल 1.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इसके बावजूद भारत ने चालू वर्ष में 15 प्रतिशत वृद्धि के साथ 1 ट्रिलियन डॉलर के निर्यात का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने बताया कि यह लक्ष्य भारतीय निर्यातकों, उद्योग संगठनों और व्यावसायिक समुदाय के आत्मविश्वास को दर्शाता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए गोयल ने कहा कि एक दशक पहले फ्रेगाइल फाइव देशों में गिने जाने वाला भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष देश की विकास दर 7.7 प्रतिशत रही थी, जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई। उन्होंने उम्मीद जताई कि सितंबर तिमाही में भी आर्थिक वृद्धि 7 प्रतिशत से ऊपर रहेगी। तेलंगाना के ऐतिहासिक व्यापारिक महत्व का उल्लेख करते हुए गोयल



ने 1244 में काकतीय शासक गणपति देव द्वारा जारी समुद्री व्यापार चार्टर मोटुपल्ली अभय शासना का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस समय भी व्यापार के लिए स्थिरता और नीतिगत स्पष्टता को महत्व दिया गया था और आज भी निवेशक इसी प्रकार की नीति निरंतरता और भरोसे की अपेक्षा रखते हैं। तेलंगाना की लगभग 200 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था को 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचाने के लक्ष्य का स्वागत करते हुए गोयल ने कहा कि यह महत्वाकांक्षी लक्ष्य पूरी तरह संभव है, लेकिन इसके लिए सभी हितधारकों को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि किसानों, मछुआरों, तकनीकी विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों और सरकारी अधिकारियों सहित सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक होगी। गोयल ने कहा कि तेलंगाना दवा उद्योग, एयरोस्पेस एवं रक्षा क्षेत्र, मूल्यवर्धित कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, अनुसंधान एवं विकास, नवाचार और सेवा क्षेत्र के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी), डिजाइन एवं नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे क्षेत्रों में राज्य की संभावनाओं को भी रेखांकित किया। उन्होंने तेलंगाना के जीआई–टैग उत्पादों जैसे तंदूर अरहर दाल, चटपटा मिर्च और निजामाबाद हल्दी को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

यूरोपीय सेंट्रल बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड ने दिया इस्तीफा, 7 फरवरी 2027 को छोड़ेंगी पद

नई दिल्ली । यूरोपीय सेंट्रल बैंक (ईसीबी) की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड ने गुरुवार को अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। वह 7 फरवरी 2027 को पद छोड़ देंगी। उन्होंने इस फैसले की जानकारी बैंक की गवर्निंग काउंसिल और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा को दी।बैंक की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, लेगार्ड के उत्तराधिकारी की नियुक्ति यूरोपीय परिषद करेगी। इसके लिए यूरोपीय संघ के कामकाज पर संधि के अनुच्छेद 283 में निर्धारित प्रक्रिया के तहत नामांकन किया जाएगा। बयान में कहा गया कि गवर्निंग काउंसिल ने लेगार्ड के योगदान के लिए उनका आभार जताया और उन्हें लंबे समय तक खड़े होकर सम्मान दिया।सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में लेगार्ड ने कहा, मैं इस संस्थान को इस संतोष के साथ छोड़ रही हूं कि मैंने अच्छा काम किया है और यूरोपीय सेंट्रल बैंक भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार है। लेगार्ड अपने निर्धारित कार्यकाल की समाप्ति से करीब सात महीने पहले पद छोड़ रही हैं। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि उनके उत्तराधिकारी की तलाश की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाएगी।ईसीबी में अन्य शीर्ष पदों पर होने वाली नियुक्तियों के साथ ही नए अध्यक्ष की नियुक्ति किए जाने की संभावना है। इनमें कार्यकारी बोर्ड की सदस्य इसाबेल श्नाबेल का पद भी शामिल है, जो जनवरी की शुरुआत में पद छोड़ेंगी। वहीं, बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री फिलिप लेन मई में अपना पद छोड़ने वाले हैं। नीदरलैंड के पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर क्लास नॉट और स्पेन के पूर्व केंद्रीय बैंक गवर्नर पाब्लो हर्नांडेज डी कोस को ईसीबी के शीर्ष पद के लिए प्रमुख दावेदारों के रूप में देखा जा रहा है।लेगार्ड का इस्तीफा ऐसे समय में आया है, जब उनके गृह देश फ्रांस में चुनाव होने वाले हैं। उन्होंने पहले ही स्पष्ट किया है कि वह फ्रांस के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार नहीं बनेंगी। हालांकि, उन्होंने कहा था कि वह फ्रांस में यूरोपीय समर्थक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए अपनी ओर से सबसे प्रभावी भूमिका निभाएंगी। 70 वर्षीय लेगार्ड फ्रांस की पूर्व वित्त मंत्री रह चुकी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का नेतृत्व भी किया है।कुछ पर्यवेक्षकों का मानना है कि लेगार्ड के इस्तीफे के पीछे फ्रांस की राजनीति में भूमिका निभाने की उनकी इच्छा हो सकती है। ईसीबी अध्यक्ष के मौजूदा पद पर रहते हुए उनके लिए ऐसा करना संभव नहीं होता।



अंबुजा सीमेंट्स की दूसरी तिमाही में आय 9 हजार करोड़ रुपए के पार, बिक्री 16.5 मिलियन टन रही

अहमदाबाद । अदाणी ग्रुप की कंपनी अंबुजा सीमेंट्स ने गुरुवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। इस दौरान कंपनी की परिचालन से आय तिमाही आधार पर 9,197 करोड़ रुपए रही है। वहीं, ऑपरेटिंग ईबीआईटीडीए 1,271 करोड़ रुपए और ईबीआईटीडीए मार्जिन 13.8 प्रतिशत रहा है।स्टॉक एक्सचेंज में दी गई जानकारी के अनुसार, सीमेंट निर्माता ने तिमाही के दौरान 16.5 मिलियन टन की बिक्री दर्ज की, जिसमें उसके ट्रेड बिजनेस में लगातार हो रही वृद्धि का योगदान रहा।ट्रेड वॉल्यूम में सालाना आधार पर 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि ट्रेड सेल्स का हिस्सा 6 प्रतिशत अंक बढ़कर 74 प्रतिशत हो गया।

ट्रेड सेल्स में प्रीमियम उत्पादों की हिस्सेदारी 37 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले की तुलना में 2 प्रतिशत अंक अधिक है।

कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, इस तिमाही में कंपनी का प्रति टन ईबीआईटीडीए 770 रुपए रहा।

अंबुजा सीमेंट्स ने बताया कि इस तिमाही में उसने 4.6 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की नई क्षमता शुरू की है, जिसमें दहेज, सलाई बनवां और कलंबोली की परियोजनाएं शामिल हैं।

बठिंडा और जोधपुर पेन्ना में 3.2 एमटीपीए की अतिरिक्त क्षमता को स्थिर किया जा रहा है और बढ़ाया जा रहा है, जबकि वारिसलीगंज में 2.4 एमटीपीए की क्षमता के वित्त वर्ष 2027 की दूसरी छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी के प्रदर्शन पर अंबुजा सीमेंट्स के होल–टाइम डायरेक्टर और सीईओ विनोद बहेती ने कहा कि मौसमी चुनौतियों और बाहरी दबावों के बावजूद, कंपनी के नतीजे गुणवत्ता–आधारित विकास पर इसके फोकस को दर्शाते हैं।

बहेती ने कहा, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही और पहली छमाही का हमारा प्रदर्शन यह दिखाता है कि मौसमी और बाहरी चुनौतियों के बावजूद अंबुजा का फोकस गुणवत्तापूर्ण विकास पर है। व्यापार को मजबूत करने और प्रीमियम उत्पादों के मिश्रण से राजस्व की गुणवत्ता में सुधार हुआ है, जबकि अनुशासित क्रियान्वयन और लागत प्रबंधन ने मुनाफे को बढ़ाने में मदद की है।

कंपनी के अनुसार, इस तिमाही में कुल लागत 4,182 रुपए प्रति टन रही।भू–राजनीतिक व्यवधानों के प्रभाव को शामिल करने पर, कुल लागत 4,410 रुपए प्रति टन थी। पेटकोक और कोयले की ऊंची कीमतों, डीजल की अधिक लागत और पैकेजिंग खर्च में बढ़ोतरी के कारण इंडस्ट्री के मार्जिन पर दबाव बना रहा।कंपनी ने बताया कि पिछले साल की तुलना में लॉजिस्टिक्स लागत में थोड़ी वृद्धि हुई है, हालांकि प्राइमरी लीड दूरी को 265 किमी से घटाकर 254 किमी करने से इस प्रभाव को कुछ हद तक कम किया जा सका।

वित्तीय मोर्चे पर, अंबुजा ने अपनी बैलेंस शीट को कर्ज–मुक्त बनाए रखा है।

कंपनी की नेट वर्थ 72,238 करोड़ रुपए है, और इसके पास 1,070 करोड़ रुपए की नकदी मौजूद है।इसके अलावा, कंपनी के पास क्रिसिल, केयर रेटिंग्स, इंडिया रेटिंग्स और आईसीआरए जैसी एजेंसियों से सर्वोच्च एएए/ए1 प्लस क्रेडिट रेटिंग है।

यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 मैच के लिए भारतीय टीम अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 मैच के लिए भारतीय टीम अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है। सीरीज



में 3–1 की अजेय बढ़त के बावजूद पिछले मैच में मिली हार के बाद संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी की वापसी संभव है। वहीं गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए कुलदीप यादव या वरुण चक्रवर्ती को शामिल किया जा सकता है। अपने स्थापित खिलाड़ियों का हमेशा समर्थन करने वाला भारतीय टीम प्रबंधन आकलैंड में पिछले मैच में मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को पांचवें और आखिरी टी20 मैच में अंतिम एकादश में बदलाव कर सकता है। भारत ने श्रृंखला में 3 . 1 की अजेय बढत बना ली है लेकिन विश्व चौम्पियन टीम पांच मैचों की श्रृंखला से आखिरी मैच हारकर विदा नहीं लेना चाहेगी। ऐसे में वैभव सूर्यवंशी की वापसी संभव है और उस दशा में संजू सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है। सैमसन ने इस श्रृंखला में 67 , 14 , 18 , 4 रन बनाये हैं। टीम प्रबंधन का उन्हें पूरा समर्थन हासिल है लेकिन एक ब्रेक से वह खोई लय हासिल कर सकते हैं। हाल ही में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खुद श्रेयस का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और वे लोगों का ध्यान खींचने में नाकाम रहे। अय्यर ने टी20 में पहला शतक जमाने के बाद अगले आठ मैचों में 40, 1, 16, 22, 42, 7, 5, 22 रन बनाये। यहां अच्छी पारी खेलकर वह भी लय हासिल करना चाहेंगे। अय्यर के नाकाम रहने से निचले क्रम में नमन धीर और नीतिश कुमार रेड्डी ने पिछले कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी में दूसरे और तीसरे टी20 में न्यूजीलैंड को 200 रन से कम पर रोकने के बावजूद भारतीय आक्रमण की कमजोरियां उजागर हुई हैं। भारत अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल पर विकेटों के लिये काफी निर्भर रहा है। चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। भुवनेश्वर ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और उनका इकॉनॉमी रेट 12 के आसपास रहा है। अर्शदीप अकेले भारतीय गेंदबाज हैं जिनका इकॉनॉमी रेट इस श्रृंखला में दस से कम रहा है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में धार देने के लिये कुलदीप यादव या वरूण चक्रवर्ती को टीम में लाना होगा जिसके लिये धीर को बाहर रहना पड़ सकता है। तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को भी बैकअप गेंदबाजों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन उनके महंगे साबित होने का खतरा है। न्यूजीलैंड टीम पांच मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले आखिरी मैच जीतकर आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। अगले साल अफ्रीका में होने वाले आईसीसी विश्व कप से पहले यह वनडे श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है।भारत श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, नमन धीर, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, मयंक यादव, कुमार कुशाग्र, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग को अंडर-19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल

राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग को अंडर–19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। ओमान में 5 से 14 नवंबर तक आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत का मुकाबला पाकिस्तान, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात से होगा। भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज खिलाड़ियों राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के बेटे अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए तैयार हैं। अन्वय द्रविड़ और आर्यवीर सहवाग को आगामी एसीसी पुरुष अंडर–19 एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। दोनों युवा बल्लेबाजों ने घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। अब उनके पास भारत की जर्सी पहनकर कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में खेलने का मौका होगा।अंडर–19 एशिया कप का आयोजन 5 से 14 नवंबर तक ओमान की राजधानी मस्कट में किया जाएगा। 17 साल के अन्वय द्रविड़ कर्नाटक की ओर से खेलते हैं, जबकि 19 साल के आर्यवीर सहवाग दिल्ली की टीम का हिस्सा हैं। दोनों ने हाल ही में समाप्त हुई वीनू मांकड़ ट्रॉफी में अपने बल्ले से प्रभावित किया था। इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन के दम पर उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली है।अन्वय द्रविड़ ने हाल के दिनों में लगातार अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने इसी महीने गुजरात के खिलाफ 100 गेंदों पर 151 रन की शानदार पारी खेली थी। उनकी इस पारी की मदद से कर्नाटक ने 300 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल किया। इससे पहले जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भी अन्वय ने अपनी बल्लेबाजी का दम दिखाया था। मेजबान टीम के खिलाफ हंबनटोटा में खेले गए युवा एकदिवसीय मुकाबले में उन्होंने 67 गेंदों पर 87 रन बनाए थे। अब एशिया कप में उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद होगी।दूसरी ओर, आर्यवीर सहवाग ने भी वीनू मांकड़ ट्रॉफी में अपनी बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई। दिल्ली की ओर से खेलते हुए उन्होंने विशाखापत्तनम के विजयनगरम में चंडीगढ़ के खिलाफ 143 गेंदों पर 173 रन की बड़ी पारी खेली थी। आर्यवीर और अन्वय दोनों के लिए यह टूर्नामेंट भारतीय टीम में अपनी जगह मजबूत करने का अहम मौका होगा।भारतीय टीम की कप्तानी लक्ष्य रायचंदानी को सौंपी गई है, जबकि यशवर्धन सिंह चौहान उपकप्तान होंगे। भारत को ग्रुप ए में पाकिस्तान, नेपाल और संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है। वहीं, ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान और मलेशिया की टीमें शामिल हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष 2 टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। ऐसे में भारतीय टीम को अगले दौर में जगह बनाने के लिए अपने ग्रुप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।भारत अपने अभियान की शुरुआत 6 नवंबर को नेपाल के खिलाफ करेगा। इसके बाद 8 नवंबर को उसका मुकाबला चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। ग्रुप चरण का आखिरी मैच 10 नवंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेला जाएगा। पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले पर खास नजर रहेगी, क्योंकि दोनों देशों के बीच क्रिकेट मैचों को लेकर हमेशा दर्शकों में उत्साह रहता है।भारतीय अंडर–19 टीम में लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, यशवर्धन सिंह चौहान (उपकप्तान), कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), रजत बघेल (विकेटकीपर), वी. यशवीर, आर्यन सावसानी, मोहित उलवा, काव्या पटेल, शाविन विनोद और ईशान सूद शामिल हैं। बता दें कि अंडर–19 एशिया कप युवा खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव हासिल करने का अहम मंच है। यहां अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के पास आगे अंडर–19 विश्व कप और सीनियर क्रिकेट में अपनी जगह बनाने का मौका रहता है।



न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने भारत के खिलाफ चौथे टी 20 मैच में 49 गेंदों पर 107 रनों की तूफानी पारी

न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स ने भारत के खिलाफ चौथे टी 20 मैच में 49 गेंदों पर 107 रनों की तूफानी पारी खेली। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने ज्20ध् में अपना 10वां प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतकर मार्टिन गप्टिल के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। ग्लेन फिलिप्स ने टी 20 में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने के मामले में अपने साथी खिलाड़ी मार्टिन गप्टिल की बराबरी कर ली है। फिलिप्स ने ऑकलैंड में भारत के खिलाफ खेले गए चौथे टर 20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। घ्छउन्होंने सिर्फ 49 गेंदों में 107 रन बनाकर अपना तीसरा टी 20 शतक जड़ा, जिसमें 6 चौके और 10 छक्के शामिल थे और उनका स्ट्राइक रेट 218.37 रहा।मैच जिताऊ शतक के साथ, फिलिप्स ने टी 20 में न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच (च्ज्ड) अवॉर्ड जीतने के मामले में गुप्टिल (10 अवॉर्ड) की बराबरी कर ली है। फिलिप्स ने यह उपलब्धि सिर्फ 101 टी 20 मैचों में हासिल की है, जबकि गुप्टिल ने अपने 10 अवॉर्ड 122 टी 20ध् मैचों में हासिल किए थे। दूसरे स्थान पर कॉलिन मुनरो हैं, जिन्होंने 65 पारियों में सात प्लेयर ऑफ द मैच (च्ज्ड) अवार्ड जीते हैं।अपनी पारी के बाद, फिलिप्स ने मैच के बाद की प्रेजेंटेशन में कहा कि यह शानदार था। जाहिर है कि आज बल्लेबाजी के लिए पिच बहुत अच्छी थी, और मुझे लगता है कि हमने इसका पूरा फायदा उठाया, जो कि बहुत बढ़िया रहा। और हां, कुछ रन बनाना और टीम के साथियों की मदद करना अच्छा लगा। हमने बस इस बारे में बात की थी कि इस छोर से हवा के साथ बल्लेबाजी करना शायद थोड़ा आसान होगा, लेकिन जिस तरह से बीस्ट (ब्रेसवेल) हिट करते हैं, उनके लिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे किस छोर से खेल रहे हैं।



ईठा से रणदीप हुड्डा का फर्स्ट लुक आउट, श्रद्धा कपूर की फिल्म में निभाएंगे मर्चेंट का किरदार

ईठा का ट्रेलर जल्द रिलीज होने वाला है. ट्रेलर रिलीज से पहले मेकर्स ने फैंस को फिल्म के एक किरदार से रूबरू कराया है. उन्होंने फिल्म का एक नया पोस्टर जारी कर रणदीप हुड्डा की मौजूदगी की पुष्टि की है. मेकर ने बताया है कि रणदीप फिल्म में किसका किरदार निभाने वाले हैं.मैडॉक फिल्म्स ने ईठा से रणदीप हुड्डा का फर्स्ट लुक जारी किया. पोस्टर में रणदीप व्हाइट शर्ट पहने अपनी मूंछ को ताव देते नजर आ रहे हैं. वहीं, बैकग्राउंड में श्रद्धा कपूर और रणदीप के कनेक्शन की एक झलक भी दिखाई गई है. इस शानदार फर्स्ट लुक को जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, ईठा के दिल पर राज करने आ रहे हैं मर्चेंट. मर्चेंट के रूप में प्रस्तुत हैं रणदीप हुडा. ईठा का ट्रेलर कल रिलीज होगा. सिनेमाघरों में 4 दिसंबर, 2026 को.ईठा के मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर एलान किया कि श्रद्धा अभिनीत इस फिल्म का ट्रेलर जल्द रिलीज किया जाएगा. फिल्म की एक झलक साझा करते हुए उन्होंने लिखा, बिखरेगा जलवा इस शुक्रवार. इस शुक्रवार ईठा का ट्रेलर आ रहा है.यह छोटी सी झलक एक बड़ी, गोल खुली जगह में जमा भारी भीड़ के साथ शुरू होती है. भीड़ में मौजूद कई लोगों के हाथों में मोमबत्तियां हैं, जिससे पूरी जगह में रोशनी का एक सुंदर पैटर्न बन गया है. वहीं, इस खाली गोल घेरे के बिल्कुल बीच में एक व्यक्ति खड़ा है. वहीं, भीड़ ईठा का नाम पुकार रही है.रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने ईठा के ट्रेलर



को यूए16 सर्टिफिकेट और 2 मिनट 58 सेकंड के रनटाइम के साथ पास कर दिया है. इस फिल्म को मशहूर डायरेक्टर लक्ष्मण उटेकर ने डायरेक्ट किया है. मैडॉक फिल्म्स और कठपुतली क्रिएशन्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के प्रोड्यूसर दिनेश विजान, लक्ष्मण उटेकर और करिश्मा शर्मा हैं. अजय–अतुल ने फिल्म का म्यूजिक बनाया है. श्रद्धा कपूर ने विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर का रोल किया है, जो मशहूर मराठी तमाशा और लावणी आर्टिस्ट थीं, जिनकी जिंदगी से यह फिल्म इंस्पायर्ड है. कास्ट में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह, उल्का गुप्ता और स्वर्गीय नाना पाटेकर भी हैं. यह फिल्म 4 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

पंकज त्रिपाठी-अदिति राव हैदरी की पारिवारिक मनुरंजन ओटीटी पर देगी दस्तक, 13 नवंबर को सोनी लिव पर रिलीज होगी

अभिनेता पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी पहली बार फिल्म श्पारिवारिक मनोरंजनश्य में एक साथ नजर आने वाले हैं। हल्के–फुल्के हास्य और रोमांस से भरपूर इस पारिवारिक फिल्म की डिजिटल प्रसारण तारीख घोषित कर दी गई है। फिल्म का प्रीमियर 13 नवंबर 2026 को सोनी लिव पर होगा। दर्शक इसे मंच की सशुल्क सदस्यता के माध्यम से देख सकेंगे। फिल्म का टीजर कुछ दिन पहले ही सामाजिक माध्यमों पर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों के सामने एक मनोरंजक पारिवारिक कहानी की झलक के रूप में पेश किया गया है। फिल्म का निर्देशन वरुण वी. शर्मा ने किया है। इसके निर्माता विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, हिमांशु किशन मेहरा और एलिसिया जफर हैं।फिल्म के टीजर में पारिवारिक संबंधों, आपसी जुड़ाव और रोजमर्रा की जिंदगी में सामने आने वाली परिस्थितियों को हल्के–फुल्के अंदाज में दिखाया गया है। कहानी इस बात के इर्द–गिर्द बुनी गई है कि किस तरह छोटी–छोटी घटनाएं लोगों को एक–दूसरे के करीब लाती हैं और परिवार के सदस्यों के बीच रिश्तों को मजबूत बनाती हैं। निर्माताओं का प्रयास है कि दर्शकों को ऐसी मनोरंजक कहानी देखने को मिले, जिसका आनंद वे अपने परिवार और प्रियजनों के साथ उठा सकें। पंकज त्रिपाठी और अदिति राव हैदरी की पहली साझा फिल्म होने के कारण इसे लेकर दर्शकों में



ओम चौप्टर 1 में सीबीआई अधिकारी बनेंगी सई पल्लवी, नित्या रेड्डी के रूप में पहला लुक जारी

मुंबई। अभिनेत्री सई पल्लवी की आगामी फिल्म श्ओएम चौप्टर 1 रू उधिरम दृ द ब्लड वुड्य से उनका पहला लुक जारी कर दिया गया है। फिल्म में वह केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की अधिकारी नित्या रेड्डी की भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म की कहानी लाल चंदन की तस्करी से जुड़े एक मामले की जांच के इर्द–गिर्द घूमती है। जारी किए गए पहले लुक के बाद से ही फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ गई है।



फिल्म में नित्या रेड्डी एक जटिल तस्करी मामले की गुत्थी सुलझाने की कोशिश करती हैं। इस जांच के दौरान उन्हें अपने पेशेवर दायित्वों के साथ–साथ अपने पिता की विरासत का भी सामना करना पड़ता है। उनके पिता भारतीय वन सेवा के अधिकारी थे, जिन्होंने जंगलों की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी थी। ऐसे में फिल्म की कहानी में अपराध ा की जांच के साथ पारिवारिक विरासत और जंगलों की सुरक्षा का पहलू भी अहम भूमिका निभाएगा।

राजकुमार पेरियासामी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में अभिनेता धनुष और ममूटी भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की कहानी और कलाकारों के चयन को देखते हुए इसे लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है।

पहले फिल्म की रिलीज को लेकर अलग तारीख की चर्चा थी, लेकिन अब इसे 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित किया जाएगा। रिपोर्टों के मुताबिक, निर्माताओं ने रजनीकांत की फिल्म श्जेलर 2य के साथ बॉक्स ऑफिस पर संभावित टकराव से बचने के लिए रिलीज की तारीख में बदलाव किया है।

सई पल्लवी इन दिनों अपनी दूसरी बड़ी परियोजना श्रामायणय को लेकर भी चर्चा में हैं। इस फिल्म के जरिए वह हिंदी सिनेमा में पदार्पण कर रही हैं। इसमें वह माता सीता की भूमिका निभाएंगी,

मिर्जापुर दै मूवी का ओटीटी पर हुआ प्रीमियर, अमेजन प्राइम वीडियो पर दिखेगा मुन्ना-गुड्डू का भौकाल

अली फजल और पंकज त्रिपाठी की चर्चित फिल्म श्मिर्जापुरू द मूवीय ने अब डिजिटल मंच पर दस्तक दे दी है। फिल्म का विस्तारित संस्करण दर्शकों के लिए अमेजन प्राइम वीडियो पर जारी कर दिया गया है। श्मिर्जापुरय ध ारावाहिक के तीन सफल सीजन के बाद निर्माताओं ने इसकी कहानी को बड़े पर्दे पर पेश किया था। गुरमीत सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में प्रदर्शित हुई थी और इसने दुनियाभर में करीब 339 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म अब अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। खास बात यह है कि इस मंच पर श्मिर्जापुरय धारावाहिक के तीनों सीजन भी दर्शक देख सकते हैं। विस्तारित संस्करण में दर्शकों को फिल्म का अतिरिक्त फुटेज और कहानी के कुछ और पहलुओं को देखने का अवसर मिलेगा।फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस अपराध ा और मारधाड़ से भरपूर फिल्म की कहानी पूर्वांचल की सत्ता, गद्दी और राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई के इर्द–गिर्द घूमती है। फिल्म में अपराध जगत, आपसी दुश्मनी और बदले की कहानी को आगे बढ़ाया गया है।फिल्म में दिव्येंदु एक बार फिर मुन्ना भैया के किरदार में नजर आए हैं, जबकि अली फजल ने गुड्डू पंडित की भूमिका निभाई है। जितेंद्र कुमार बबलू पंडित के किरदार में दिखाई दिए हैं।

रणबीर कपूर की रामायण में नहीं चली सेंसर बोर्ड की कैंची, 3 घटे 15 मिनट की होगी फिल्म, 5 नवंबर को दुनियाभर में होगी प्रदर्शित

रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी की बहुप्रतीक्षित पौराणिक फिल्म श्रामायणय की रिलीज को लेकर दर्शकों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी यह भव्य फिल्म 5 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। रिलीज से पहले फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से बिना किसी कट के श्यूय प्रमाणपत्र मिल गया है। इसका अर्थ है कि फिल्म को पूरा परिवार एक साथ देख सकता है। बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, फिल्म की प्रमाणन प्रक्रिया 30 अक्टूबर को पूरी हुई। फिल्म की कुल अवधि 3 घंटे 15 मिनट रखी गई है। प्रमाणन बोर्ड के विवरण में बताया गया है कि रावण के अत्याचार बढ़ने पर भगवान विष्णु श्रीराम के रूप में अवतार लेते हैं। पिता के वचन का पालन करने के लिए श्रीराम, सीता और लक्ष्मण के साथ वनवास जाते हैं। वनवास के दौरान रावण सीता का हरण कर लेता है, जिसके बाद श्रीराम और रावण के बीच युद्ध होता है।

फिल्म को लेकर सिनेमाघरों में भी तैयारियां तेज हो गई हैं। खबरों के मुताबिक, 4 नवंबर को फिल्म के करीब 300 विशेष सशुल्क प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। इन प्रदर्शनों के लिए दर्शकों को सामान्य टिकट दरों से अलग भुगतान करना होगा। फिल्म की आधिकारिक रिलीज से एक दिन पहले होने वाले इन विशेष प्रदर्शनों से शुरुआती कमाई को लेकर भी उम्मीदें जताई जा रही हैं। रामायणय को भारत में आईमैक्स त्रिआयामी तकनीक में भी प्रदर्शित किया जाएगा। फिल्म को लेकर सिनेमाघरों में आईमैक्स पर्दों की मांग बढ़ने की खबर है। बताया जा रहा है कि सिनेमाघरों की प्राथमिकता में श्रामायणय को जगह मिलने के कारण अन्य फिल्मों को पर्याप्त पर्दे मिलने में परेशानी हो सकती है। इसी वजह से हॉलीवुड फिल्म श्गॉडजिला माइनस जीरोय की प्रस्तावित रिलीज आगे बढ़ाकर 20 नवंबर किए जाने की संभावना जताई जा रही है। नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियोज और यश की मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के संयुक्त निर्माण में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में सनी देओल, रवि दुबे, रकुल प्रीत सिंह, अरुण



गोविल और लारा दत्ता सहित कई प्रमुख कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

निर्माताओं ने फिल्म को बड़े स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाने की तैयारी की है। श्रामायणय हिंदी, तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और अंग्रेजी भाषाओं में प्रदर्शित होगी। इसे सामान्य द्विआयामी और त्रिआयामी पर्दों के साथ आईमैक्स त्रिआयामी, फोर–डी–एक्स त्रिआयामी और स्क्रीन–एक्स प्रारूपों में भी रिलीज किया जाएगा। भव्य दृश्य संयोजन, पौराणिक कथा और बड़े सितारों की मौजूदगी के कारण फिल्म को लेकर दर्शकों में खास उत्सुकता बनी हुई है।

ऋषभ शेट्टी की द प्राइड आफ भारत छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े भूषण कुमार, 2027 की शुरुआत में शुरू होगी शूटिंग

निर्माता भूषण कुमार ने ऋषभ शेट्टी को छत्रपति शिवाजी महाराज की एक सदी पुरानी पेंटिंग भेंट कर सम्मानित किया. इस महत्वाकांक्षी ऐतिहासिक महागाथा की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने वाली है. टी–सीरीज ने फिल्म द प्राइड ऑफ भारत दृ छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ जुड़कर इस महत्वाकांक्षी ऐतिहासिक महागाथा को एक भव्य सिनेमाई रूप देने की दिशा में कदम बढ़ाया है. दो भागों में बनने वाली यह फिल्म भारत के सबसे प्रतिष्ठित ऐतिहासिक नायकों में से एक, छत्रपति शिवाजी महाराज के असाधारण जीवन, विरासत और दूरदर्शी विचारों का उत्सव मनाएगी. इस बिग प्रोजेक्ट के लिए भूषण कुमार, संदीप सिंह और ऋषभ शेट्टी एक साथ आए हैं, जो छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके स्वराज्य के अटूट संकल्प को बड़े पर्दे पर जीवंत करेंगे.

इस ऐतिहासिक सहयोग के अवसर पर भूषण कुमार ने ऋषभ शेट्टी को छत्रपति शिवाजी महाराज की एक सदी पुरानी पेंटिंग भेंट कर सम्मानित किया. यह भेंट इस बात का प्रतीक है कि यह पूरी टीम, इस ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण गाथा को कितनी गहरी श्रद्धा और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ा रही है.

भव्य स्तर पर बनने वाली यह दो–भागों की महागाथा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन की निर्णायक लड़ाइयों, असाधारण बलिदानों, ऐतिहासिक विजय और उनकी यात्रा के उन अनछुए पहलुओं को सामने लाएगी, जिनसे बहुत से लोग अब तक परिचित नहीं हैं. फिल्म का उद्देश्य उनकी अद्वितीय युद्ध–कुशलता, रणनीतिक दूरदृष्टि, निर्भीक नेतृत्व और स्वराज्य की परिवर्तनकारी परिकल्पना को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करना है, जो आज की पीढ़ी को भी प्रेरित करती है. भारत और विदेशों के प्रतिभाशाली कलाकारों एवं क्रिएटिव विशेषज्ञों की टीम के साथ, यह प्रोजेक्ट एक विशाल और प्रभावशाली सिनेमाई अनुभव देने का लक्ष्य रखती है, जो भारतीय इतिहास के इस गौरवशाली अध्याय को हर पीढ़ी के दर्शकों तक पहुँचाएगा. फिल्म को लेकर निर्माता भूषण कुमार ने कहा, महाराष्ट्र और छत्रपति शिवाजी महाराज जी ने हमें ऐसी विरासत दी है, जिस पर हमें गर्व होना चाहिए. मेरा मानना है कि सिनेमा के माध्यम से इस विरासत का सम्मान करना और इसे पूरी दुनिया तक पहुंचाना, हमारी जिम्मेदारी है, जब संदीप सिंह ने मुझे श्द प्राइड ऑफ भारत दृ छत्रपति शिवाजी महाराजय्य की कहानी सुनाई, तो इस असाधारण गाथा को बड़े पर्दे पर लाने की जिम्मेदारी का मुझे गहराई से एहसास हुआ. ऋषभ शेट्टी की दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और ऐतिहासिक एवं महान व्यक्तित्वों को जीवंत करने की उनकी क्षमता को देखते हुए, मुझे विश्वास है कि हम मिलकर स्वराज्य के साहस, दूरदृष्टि और भावना को हर पीढ़ी के दर्शकों तक पहुंचा पाएंगे. टी–सीरीज के लिए यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज और उनकी कालजयी विरासत को समर्पित एक श्रद्धांजलि है.फिलहाल फिल्म का प्री–प्रोडक्शन जारी है और इस महत्वाकांक्षी दो–भागों वाली महागाथा की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने वाली है. द प्राइड ऑफ भारतदृ छत्रपति शिवाजी महाराज केवल इतिहास को दोबारा पेश करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वराज्य के आदर्शों और उस दूरदर्शी नेतृत्व की अमर विरासत का उत्सव है, जिसके साहस, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व से आज भी पूरा भारत प्रेरणा लेता है.

गुलशन कुमार और टी–सीरीज फिल्म्स की पेशकश, श्द प्राइड ऑफ भारत दृ छत्रपति शिवाजी महाराजय्य, टी–सीरीज फिल्म्स और लीजेंड स्टूडियोज पेश कर रहे है। फिल्म का निर्देशन संदीप सिंह ने किया है. इसके निर्माता भूषण कुमार और कृष्ण कुमार हैं, जबकि इसकी पटकथा ऋषि विरमानी और संदीप सिंह ने लिखी है.

रामायण में शूर्पणखा क्यों बनीं रकुल प्रीत? बोलीं- वो सिर्फ खलनायिका नहीं, उसे गलत समझा गया

फिल्म रामायण राइज ऑफ अ लेजेंड में अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा का किरदार निभाती नजर आएंगी। रकुल ने ये रोल चुनने की वजह बताते हुए कहा कि शूर्पणखा का किरदार काफी उलझा हुआ और गहराई से भरा है, जिसे अक्सर लोगों ने गलत समझा है। इतिहास में भले ही उन्हें सिर्फ एक घटना के लिए याद किया जाता हो, लेकिन इस चुनौतीपूर्ण किरदार के कई अलग–अलग पहलू भी हैं। रकुल ने बताया कि भारतीय संस्कृति को वैश्विक स्तर पर पेश करने का मौका मिलना उनके लिए इस फिल्म से जुड़ने की सबसे बड़ी वजहों में से एक था। रकुल बोलीं, मेरे लिए इस फिल्म में सबसे ज्यादा रोमांचक 2 बातें थीं। पहली ये कि यह दुनिया के सामने भारत, हमारे इतिहास और हमारी सच्चाई का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली वैश्विक फिल्म है और दूसरी यह कि शूर्पणखा का किरदार काफी जटिल है।रकुल का कहना है कि रामायण में शूर्पणखा का किरदार काफी जटिल है और इसे अक्सर गलत समझा गया है। रामायण के युद्ध की शुरुआत



वही वजह बनी थी, इसलिए इसके अलग–अलग रंगों को पर्दे पर जीना बहुत दिलचस्प रहा। रकुल ने सोशल मीडिया पर एक फैन के खत का जवाब देते हुए भी बताया था कि शूर्पणखा के रोल की इसी गहराई और चुनौती ने उन्हें ये फिल्म साइन करने के लिए प्रेरित किया।

तृषा कृष्णन बनेंगी जयललिता? दिग्गज अभिनेता और नेता एमजीआर की बायोपिक पर बड़ा अपडेट

तमिल फिल्मों के दिग्गज अभिनेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन (एमजीआर) की जिंदगी पर फिल्म बनने जा रही है। फिल्म का नाम पुराची थलाइवर एमजीआर रखा गया है। इसमें अभिनेत्री तृषा कृष्णन के दिवंगत नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता का किरदार निभाने की चर्चा है। अभिनेता जेएम बशीर ने खुलासा किया कि इस भूमिका के लिए तृषा से बातचीत चल रही है। हालांकि, अभी उनके नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।अभिनेता जेएम बशीर ने बताया कि निर्माता तृषा के साथ जयललिता के रोल के लिए बातचीत कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि उनकी बेटी की तृषा से अच्छी दोस्ती है और दोनों एक साथ फिल्म में काम भी कर रही हैं।बशीर के मुताबिक, अगर तृषा ये रोल करती हैं तो बहुत अच्छा रहेगा। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने भरोसा जताया कि एमजीआर पर इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को बनाने में उनके सामने कोई बाधा नहीं है।बशीर ने थलापति विजय की तारीफ कर उन्हें भविष्य का संभावित प्रधानमंत्री बताया। उधर तृषा हमेशा से पर्दे पर जयललिता का किरदार निभाने को लेकर अपनी इच्छा जाहिर करती रही हैं।साल 2017 में फैंस से बातचीत के दौरान जब उनसे कल्पना चावला, जयललिता और मर्लिन मनरो में से एक चुनने को कहा गया तो उन्होंने जयललिता को चुना था।

दिलचस्प बात है कि तृषा और जयललिता दोनों ने चेन्नई के एक ही स्कूल चर्च पार्क से पढ़ाई की है।एमजीआर की इस बायोपिक में एम करुणानिधि और सीएन अन्नादुरई जैसे बड़े नेताओं के किरदार भी दिखेंगे, जिनकी कास्टिंग चल रही है। बशीर के मुताबिक ये फिल्म एमजीआर के सिनेमा से लेकर राजनीति तक के पूरे सफर को दिखाएगी। शूटिंग चेन्नई के रामापुरम में शुरू होने वाली है। हालांकि, फिल्म के निर्देशक और संगीतकार के नाम का ऐलान होना अभी बाकी है। पसुमपोन थेवर की बायोपिक के बाद बशीर का ये दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट है। थलापति विजय इस साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म जन नायकन में नजर आए थे। ये फिल्म उनके अभिनय करियर की आखिरी फिल्म साबित हुई है, क्योंकि इसके बाद उन्होंने अभिनय से पूरी तरह ब्रेक लेकर राजनीति की दुनिया में कदम रख लिया है।

दूसरी ओर तृषा मशहूर निर्देशक राज कृष्णा मेनन के निर्देशन में बनने वाली एक सस्पेंस–थ्रिलर फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसकी शूटिंग तेजी से चल रही है।



हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।